तत् त्वं पूषन् अपावृणु
केन्द्रीय विद्यालय संगठन

खुशबू

विद्यालय वार्षिक ई पत्रिका

सत्र - 2023-24

केन्द्रीय विद्यालय क्र.- 04, ओ.एन.जी.सी. वड़ोदरा

KENDRIYA VIDYALAYA No. 04, O.N.G.C. VADODARA



अनुक्रमणिका

पृष्ठ सं	विषय
1	संपादक –मंडल
2	संरक्षक पृष्ठ
3	सन्देश –अध्यक्ष –वि. प्र. समिति
4	सन्देश –उपायुक्त
5	प्राचार्य की कलम से
6	सम्पादकीय
7	विद्यालय –परिचय
8	परीक्षा –परिणाम
9-10	विद्यालय के चमकते सितारे
11-25	रिपोर्ट / प्रतिवेदन
26-39	उपलब्धियाँ
40-107	विविध गतिविधियों की झलक
108-112	कला विभाग
113-136	रचनात्मक अभिव्यक्ति – हिंदी विभाग
137-140	संस्कृत –विभाग
141-147	अंग्रेजी -विभाग
148	स्टाफ फोटो

संपादक –मंडल



डॉ. आर.के. गुप्ता
पीजीटी हिंदी
हिंदी अनुभाग



श्रीमती जतिंदर कौर
पीजीटी अंग्रेज़ी
अंग्रेज़ी अनुभाग



सुश्री जिज्ञा मकवाना
टीजीटी संस्कृत
संस्कृत अनुभाग



श्री तेजस जादव
संगीत शिक्षक
फोटो संयोजक



डॉ तरुणा माथुर
टीजीटी कला शिक्षा
(सह शैक्षणिक गतिविधियाँ)
प्रभारी



श्रीमती हुमा यासमीन
पीजीटी कंप्यूटर साइंस
डिज़ाइनर एवं शुद्धिकारक

मुख्य संरक्षक

श्रीमती निधि पाण्डे

आई.आई.एस

आयुक्त

केन्द्रीय विद्यालय संगठन, नई दिल्ली

संरक्षक

श्रीमती श्रुति भार्गव

उपायुक्त

केन्द्रीय विद्यालय संगठन,

अहमदाबाद संभाग, अहमदाबाद

श्री प्रिय रंजन मिश्रा

अध्यक्ष –विद्यालय प्रबंधन

समिति केन्द्रीय विद्यालय क्र. 4

ओ.एन.जी.सी., वडोदरा

श्री वेंकटेश्वर प्रसाद बी.

श्रीमती मीना जोशी

सहायक आयुक्त

केन्द्रीय विद्यालय संगठन,

अहमदाबाद संभाग, अहमदाबाद

श्री रमेश पाण्डेय

प्राचार्य

केन्द्रीय विद्यालय क्र. 4,

ओ.एन.जी.सी., वड़ोदरा

सन्देश –अध्यक्ष –वि प्र समिति

ओएनजीसी ONGC

प्रिय रंजन मिश्रा
कार्यकारी निदेशक - द्रोणी प्रबंधक

Priya Ranjan Mishra
Executive Director - Basin Manager

प्रगति भवन
पश्चिमी अभितट द्रोणी, मकरपुरा मार्ग,
वडोदरा-390009, गुजरात, भारत
Pragati Bhavan
Western Onshore Basin, Makarpura Road,
Vadodara-390 009, Gujarat, India
+91 265 2638864 Email: bm_wonbasin@ongc.co.in



CHAIRMAN'S MESSAGE

I am delighted to know that K.V. No. 4 ONGC Vadodara is bringing forth the next edition of its school E-magazine "**खुशबू**"-2024. The school magazine is not just a collection of words and images; it is a mirror reflecting the soul of the institution - a testament to the creativity, aspirations, and achievements of the students.

As Albert Einstein once said, "Creativity is intelligence having fun." A school magazine offers a unique platform where students can let their imaginations soar, express their innermost thoughts, and engage with the world around them in a meaningful way. It is a space where they can experiment with ideas, share their stories, and leave their mark on the tapestry of the school's history.

In the life of a student, contributing to the school magazine is more than just an extracurricular activity. It is an opportunity to develop critical life skills such as communication, collaboration, and creative thinking. Through writing, art, and other forms of expression, students learn to articulate their thoughts, hone their talents, and build confidence - skills that are essential in both academic and personal growth.

This academic year, KV NO-4 ONGC Vadodara has continued to excel in all spheres, be it academics, sports, or cultural activities. I commend the KV team for their unwavering commitment to excellence in bringing "**खुशबू**" - to life. May this E-magazine ameliorate the creative spirit of the students and inspire them to achieve the pinnacles of glory in the years to come.

With best wishes for a successful and enriching year ahead….

(Priya Ranjan Mishra)
ED - Basin Manager, WON Basin ONGC, Vadodara
& Chairman VMC, KV No-4 ONGC Vadodara

सन्देश –उपायुक्त

प्राचार्य की कलम से



प्रिय छात्रों, और अभिभावकों,

जैसा कि आप सभी जानते हैं कि 2023-2024 शैक्षणिक वर्ष विद्यालय परिवार के सहयोग से उत्कृष्ट रहा है, और साथ मिलकर, हम अकादमिक प्रतिभा, व्यक्तिगत विकास और सामुदायिक भावना के लिए प्रयास करना जारी रखेंगे।

इस वर्ष, हमारा लक्ष्य प्रत्येक विद्यार्थी के "दिमाग को सशक्त बनाना और भविष्य की ओर प्रेरित करना" रहा। हमारा मानना है कि हर छात्र में महानता हासिल करने की क्षमता है, और उस क्षमता को अनलॉक करने के लिए आवश्यक सहायता और संसाधन प्रदान करना हमारा मिशन है। हमारे समर्पित शिक्षकगण एक ऐसा पोषण और उत्तेजक वातावरण बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं जहाँ हर विद्यार्थी फल-फूल सके।

अभिभावकगण, आपकी भागीदारी और समर्थन हमारी सफलता के लिए महत्वपूर्ण है अतःहम आपको अपने बच्चे की शिक्षा से जुड़े रहने और स्कूल की गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। साथ मिलकर, हम आजीवन सीखने और सफलता के लिए एक मजबूत आधार तैयार कर सकते हैं।

विद्यार्थियों, मैं आपको हर अवसर को अपनाने, हर बाधा को पार करने और यहाँ अपने समय का अधिकतम लाभ उठाने की चुनौती देता हूँ। याद रखें, शिक्षा केवल ज्ञान प्राप्त करने के बारे में नहीं है, बल्कि चरित्र, लचीलापन और सीखने के लिए जुनून विकसित करने के बारे में भी है।

आइए हम हर वर्ष को यादगार और प्रभावशाली बनाने के लिए मिलकर काम करें। मुझे विश्वास है कि हमारे सामूहिक प्रयासों से हम महान चीजें हासिल कर सकते हैं।

हार्दिक शुभकामनाएं,

रमेश पांडेय
प्राचार्य

सम्पादकीय

कहाँ तो तय था चराग़ाँ हर एक घर के लिये
कहाँ चराग़ मयस्सर नहीं शहर के लिये।

प्रसिद्ध गजलकार दुष्यन्त कुमार की ये पंक्तियाँ हमारे राष्ट्र और समाज के लिए वर्तमान में सार्थक सिद्ध हो रही है | इस वर्ष हमने 78 वा स्वतंत्रता दिवस मनाया | देश को आजाद हुए 77 वर्ष पूरे होने के उपरांत भी हम कई क्षेत्रों में आज भी विकसित देशों की तुलना में काफी पीछे हैं | वर्तमान काल में इस विषय पर चिंतन करने की आवश्यकता है | हम विकसित देशों की जीवन शैली का अंधानुकरण तो कर रहे हैं लेकिन अपने व्यवहार में अनुशासन और प्रतिबद्धता को उतारने का प्रयास नहीं करते है |

वर्तमान में व्यक्ति और समाज के निर्माण पर हमारा ध्यान केंद्रित है और इसका उत्तरदायित्व शिक्षण संस्थानों को दिया जा रहा है | राष्ट्रीय शिक्षा नीति के माध्यम से व्यक्ति और समाज के बेहतर निर्माण का प्रयास किया जा रहा है लेकिन जो संस्थान कोचिंग और ट्यूशन के द्वारा केवल अंकों की प्राप्ति तक सीमित है, उनसे राष्ट्र- निर्माण की अपेक्षा करना कदापि उचित नहीं है |

किसी भी राष्ट्र को समृद्ध और विकसित बनाने के लिए वहाँ के नागरिकों में अधिकारों और दायित्वों के मध्य संतुलन होना आवश्यक है | देश के प्रत्येक नागरिक में कर्तव्य-बोध और राष्ट्र-भक्ति की भावना का विकास करना शिक्षण-संस्थानों की जिम्मेदारी है | अतः बालकों में विद्यार्थी जीवन से ही नैतिक शिक्षा और संस्करों के साथ ही राष्ट्र के प्रति कर्तव्य- बोध की भावना विकसित की जानी चाहिए |

केन्द्रीय विद्यालय संगठन राष्ट्र और शिक्षा के प्रति सर्वदा सर्वथा समर्पित रहा है | विभिन्न शैक्षणिक एवं सह शैक्षणिक गतिविधियों के माध्यम विद्यार्थियों में राष्ट्र-भक्ति और दायित्व-बोध की भावना विकसित की जाती है| विद्यालय में यातायात-नियम, स्वच्छता- पखवाड़ा, वृक्षारोपण, युवा-दिवस, नशा-मुक्ति इत्यादि गतिविधियों के द्वारा उन्हे देश का जिम्मेदार नागरिक बनाने का प्रयास किया जाता है | विद्यालय-पत्रिका के इस अंक में इन सभी गतिविधियों की एक झलक देखी जा सकती है | अपेक्षा है कि वर्ष 2023-24 का विद्यालय पत्रिका का यह अंक आपको रुचिकर लगेगा |

डॉ राजेश कुमार गुप्ता
स्नातकोत्तर शिक्षक (हिन्दी)

विद्यालय –परिचय



ओ.एन.जी.सी. प्रांगण में स्थित केंद्रीय विद्यालय क्र 4, वडोदरा नगर के सी.बी.एस.ई.के प्रतिष्ठित विद्यालयों में अग्रगण्य है|

➢ यह विद्यालय अहमदाबाद संभाग के अंतर्गत ओएनजीसी द्वारा प्रायोजित है जिसकी स्थापना 1993 में हुई थी I

➢ वर्तमान में इस विद्यालय में लगभग 374 छात्र- छात्राएँ अध्ययनरत हैं |

➢ इसमें प्राचार्य सहित शैक्षणिक तथा गैर शैक्षणिक स्टाफ की संख्या 21 है |

➢ इस विद्यालय में कक्षा 1 से 12 तक के छात्र अंग्रेजी माध्यम से पढ़ते हैं |

➢ इस विद्यालय में 1 कंप्यूटर लैब उपलब्ध हैं।

➢ इस विद्यालय में छात्रों के लिये 1 अटल टिंकरिंग प्रयोगशाला उपलब्ध हैं।

➢ कक्षा 11वी एवं 12वी में विज्ञान वर्ग में ही अध्ययन की सुविधा उपलब्ध है।

➢ विद्यालय में एक दृष्य श्रव्य कक्ष भी उपलब्ध है।

परीक्षा –परिणाम

RESULT OF SCHOOL (NON-BOARD CLASSES)
SESSION 2023-24

CLASS	TOTAL STRENGTH	NUMBER OF STUDENTS PASSED	PASS PERCENTAGE
IV	52	52	100
V	44	44	100
VI	37	37	100
VII	47	47	100
VIII	41	41	100
IX	45	37	82.2
XI	37	33	91.6

RESULT OF SCHOOL (BOARD CLASSES)
SESSION 2023-24

CLASS	TOTAL STRENGTH	NUMBER OF STUDENTS PASSED	PASS PERCENTAGE
X	40	40	100
XII	11	11	100

विद्यालय के चमकते सितारे (छात्र –उपलब्धि)

सी.बी.एस.सी. में कक्षा –10 की परीक्षा-2023-24 में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले विद्यालय के छात्र / छात्रा

TOPPERS (CLASS-X)



जागृति बलागा
95.4%



तेजस द्विवेदी
93.6%



श्रेया सिंह
91.4%



अभिनव तिवारी
91.4%

विद्यालय के चमकते सितारे (छात्र –उपलब्धि)

सी.बी.एस.सी. में कक्षा –12 की परीक्षा-2023-24 में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले विद्यालय के छात्र / छात्रा

TOPPERS (CLASS-XII)



गोरू रुचिता भव्यश्री
91.8%



ठाकुर दिव्यांश
82.6%



गोरू रेवंत
81.8%

विद्यालय – रिपोर्ट / प्रतिवेदन

कंप्यूटर विभाग की रिपोर्ट

सत्र 2023-24 में भी पढाई तथा अन्य गतिविधियां में कंप्यूटर विभाग की विशेष भूमिका रही है । वेबिनार हो या ऑनलाइन परीक्षा, या फिर पठन – पाठन, इंटरनेट की सुविधा कक्षाओं, विभागों, पुस्तकालय, प्राथमिक संसाधन कक्ष तथा कार्यालय में उपलब्ध है । प्रोजेक्ट बनाने के लिये तथा कंप्यूटर की बुनियादी शिक्षा हेतु विद्यार्थियों के लिये कंप्यूटर लैब सुसज्जित है ।

शिक्षण कार्य को सुचारु रूप से चलाने के लिये शिक्षकों द्वारा कंप्यूटर, आई पैड, वेब कैमरा, इंटरनेट आदि का उपयोग किया जाता हैं ।

विद्यालय में 2 कक्षाओं में प्रोजेक्टर लगा हुआ है जो कि लैपटोप या आई पैड से जोड़ा जा सकता है । 2 कक्षाओं में स्मार्ट बोर्ड लगने से शिक्षण और अधिक रोचक हो गया है ।

कौशल शिक्षा के अंतर्गत भी विद्यार्थियों ने डाटा साइंस के बारे में जानकारी हासिल की ।

के.वि.सं. के निर्देशानुसार समय समय पर विभिन्न पोर्टल जैसे कि प्रेरणा, सफल, समागम आदि पर विद्यालय का नामांकन किया गया है।

यूबीआई (UBI), यूडीआईएसई (UDISE) पोर्टल का काम समयबद्ध किया गया ।
विद्यालय वेबसाइट अद्यतन का कार्य भी सुचारु रूप से किया गया । सभी महत्वपूर्ण जानकारियां समय समय पर दी गई ।

ICT की परीक्षा कंप्यूटर के माध्यम से ली जाती है ।

हुमा यासमीन
(पीजीटी कंप्यूटर साइंस)

विद्यालय – रिपोर्ट / प्रतिवेदन

पाठ्य सहगामी गतिविधियों की रिपोर्ट

शैक्षणिक वर्ष 2023-24 केन्द्रीय विद्यालय नं. 04 ओएनजीसी , वडोदरा में सह-पाठ्यचर्या गतिविधियों के लिए विकास और उपलब्धि का समय रहा है। हमारे विद्यालय ने हमेशा छात्रों के समग्र विकास पर जोर दिया है, और सह-पाठ्यचर्या गतिविधियों ने इस उद्देश्य को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

प्रत्येक शनिवार को, छात्रों ने सह-पाठ्यचर्या गतिविधियों की एक विस्तृत श्रृंखला में सक्रिय रूप से भाग लिया है, जिसने उनके सीखने के अनुभवों को समृद्ध किया है। इन गतिविधियों ने छात्रों को अपनी प्रतिभा दिखाने, अपने नेतृत्व कौशल को विकसित करने और अपने साथियों के बीच सौहार्द को बढ़ावा देने के लिए मंच के रूप में काम किया है।

केंद्रीय विद्यालय संगठन के प्रमुख कार्यक्रम, जैसे 'सोच कौशल',योग दिवस, हिन्दी पखवाड़ा, संस्कृत सप्ताह, तरूणोत्सव, 'राष्ट्रीय शिक्षा दिवस का उत्सव', 'भौतिकी कार्यशाला' और 'चिकित्सा स्वास्थ्य जांच अभियान', सफलतापूर्वक आयोजित किए गए हैं, और छात्रों ने सक्रिय रूप से भाग लिया है, जिससे उन्हें मूल्यवान अनुभव और जानकारी मिली है जो उनके शैक्षणिक अध्ययन के पूरक हैं।

इसके अलावा, हमारे विद्यालय ने 'फिट इंडिया मूवमेंट', 'स्वच्छ भारत अभियान', 'परीक्षा पे चर्चा', 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' जैसे विभिन्न सरकारी पहल कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लिया है। हमारे छात्रों ने स्वच्छता अभियान, शारीरिक फिटनेस चुनौतियों और सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रमों में भाग लेकर इन पहलों में योगदान दिया है, जिससे समुदाय और राष्ट्र निर्माण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता प्रदर्शित होती है।

ओएनजीसी के सहयोग से, हमने ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए हैं जो हमारे छात्रों के बीच पर्यावरण जागरूकता, सतत विकास और अभिनव सोच को बढ़ावा देते हैं। हमारे विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण और वैज्ञानिक जिज्ञासा के मूल्यों को विकसित करने के लिए ओएनजीसी के साथ साझेदारी में वृक्षारोपण अभियान, ऊर्जा संरक्षण कार्यशालाएं और विज्ञान प्रदर्शनी जैसी गतिविधियों में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया।

विद्यालय – रिपोर्ट / प्रतिवेदन

वार्षिक अंतर-सदनीय खेल प्रतियोगिता, विज्ञान और कला प्रदर्शनी और सांस्कृतिक उत्सव सह-पाठ्यचर्या गतिविधियों के कैलेंडर के मुख्य आकर्षण रहे हैं, जहाँ छात्रों ने अपनी प्रतिभा, कौशल और टीम वर्क का प्रदर्शन किया है। इन आयोजनों ने न केवल छात्रों को अपनी क्षमताओं को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान किया है, बल्कि स्वस्थ प्रतिस्पर्धा, समावेश और खेल भावना को भी बढ़ावा दिया है।

अंत में, शैक्षणिक वर्ष 2023-24 में केंद्रीय विद्यालय नंबर 04 ओ.एन.जी.सी., वडोदरा में सह-पाठ्यचर्या गतिविधियाँ हमारे छात्रों के समग्र विकास का एक अभिन्न अंग रही हैं। हम अपने छात्रों को शैक्षणिक, सांस्कृतिक और खेल क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के अवसर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, और हम आने वाले वर्षों में उनके सीखने के अनुभवों को और समृद्ध करने के लिए तत्पर हैं।

डॉ तरूणा माथुर (टी जी टी कला शिक्षा)
प्रभारी

विद्यालय – रिपोर्ट / प्रतिवेदन

शिक्षक अभिभावक सम्मेलन

एक स्कूल के बेहतर संचालन के लिए शिक्षकों और अभिभावकों का एक साथ आना जरूरी है। एक अभिभावक निश्चित रूप से वह सब कुछ जानना चाहता है जो स्कूल में चल रहा है, जिसमें शिक्षक और स्कूल प्रबंधन भी शामिल है। यही बात शिक्षकों पर भी लागू होती है, जिसमें वे छात्रों की सामाजिक पृष्ठभूमि, रुचियों आदि को जानना चाहते हैं। यह सब वास्तव में छात्रों के लाभ के लिए काम करता है। एक छात्र के बारे में अधिक जानने से शिक्षकों को उनकी आवश्यकताओं को तदनुसार पूरा करने में मदद मिलती है। यह स्कूल में अभिभावक शिक्षक बैठक (पीटीएम) द्वारा अच्छी तरह से हासिल किया गया है।

1-यह सुनिश्चित करना कि बच्चा नियमित रूप से कक्षाओं में भाग लेता है।

2- यह सुनिश्चित करना कि बच्चा दिए गए सभी कार्यों को समय पर पूरा करे।

3-अपने बच्चे के लिए एक मित्र, मार्गदर्शक और सूत्रधार के रूप में कार्य करना।

4-यह सुनिश्चित करना कि बच्चा सभी कार्यक्रमों और प्रतियोगिताओं में पूरे दिल से भाग लेता है।

5- नियमित आधार पर अपने बच्चे की प्रगति और प्रदर्शन की निगरानी करें।

6-माता-पिता के साथ पी पी टी आदि में छात्रों के प्रदर्शन को साझा करने के लिए मासिक पीटीएम आयोजित किए गए।

जतिंदर कौर
(पीजीटी अंग्रेजी)

विद्यालय – रिपोर्ट / प्रतिवेदन

विद्यालय- प्रबंध समिति की रिपोर्ट

स्कूल से संबंधित गतिविधियों के समुचित संचालन और निगरानी के लिए तीन साल की अवधि के लिए वीएमसी का गठन किया गया है। यह समिति स्कूल से संबंधित सभी मामलों पर चर्चा करने के लिए बैठक आयोजित करती है।

क) स्कूल के कामकाज की निगरानी करना।

ख) स्कूल विकास योजना तैयार करना और सिफारिश करना।

ग) उपर्युक्त सरकार या स्थानीय प्राधिकरण या किसी स्रोत से प्राप्त अनुदानों के उपयोग की निगरानी करना, तथा

घ) ऐसे अन्य कार्य करना जो निर्धारित किए जा सकते हैं।

सत्र 2023-24 के दौरान वस्तुतः तीन VMC बैठकें आयोजित की गईं।

पहली बैठक :- 25.09.2023

दूसरी बैठक :- 22.12.2023

तीसरी बैठक :- 26.03.2024





विद्यालय – रिपोर्ट / प्रतिवेदन

हिंदी पखवाड़े का प्रतिवेदन

विद्यालय में हिन्दी पखवाडा दिनांक 14-09-2023 से 28-09-2023 तक मनाया गया जिसमें प्रार्थना सभा में सभी कार्यक्रम प्रतिदिन हिन्दी में ही प्रस्तुत किए गए | प्रतिदिन एक शिक्षक ने राजभाषा हिन्दी पर अपने मौलिक विचार प्रस्तुत किए | विद्यार्थियों ने प्रार्थना-सभा में कहानी, कविता, लघु नाटिका, राजभाषा प्रश्नोत्तरी, आशु भाषण इत्यादि विशेष कार्यक्रम प्रस्तुत किए |

प्राथमिक एवं माध्यमिक व उच्च माध्यमिक कक्षाओं में विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गई | सुलेख-लेखन, श्रुतलेख, कविता-पाठ, कहानी-कथन, आशु भाषण, निबंध लेखन, नारा-लेखन इत्यादि प्रतियोगिताओं के माध्यम से विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया | विजेता विद्यार्थियों को हिन्दी पखवाड़ा के अंत में पुरस्कृत किया गया | शिक्षकों के लिए भी राजभाषा प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया जिसमें सभी ने अत्यंत उत्साह से भाग लिया |

खेल-कूद विभाग की रिपोर्ट

आठवीं कक्षा के मास्टर अयान काटकर ने बैडमिंटन (अंडर-14) में स्वर्ण पदक प्राप्त किया और हैदराबाद में आयोजित केवीएस नेशनल स्पोर्ट्स मीट में अहमदाबाद क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया।

कक्षा सातवीं की वान्या मेहता ने लॉन टेनिस (अंडर-14) और दसवीं कक्षा की सुश्री आयुषी रावत ने लॉन टेनिस (अंडर-17) में स्वर्ण पदक प्राप्त किया और दोनों ने अहमदाबाद में आयोजित केवीएस नेशनल स्पोर्ट्स मीट में अहमदाबाद क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया।

सुश्री वान्या मेहता ने लॉन टेनिस (अंडर-14) में केविएस राष्ट्रीय स्तर पर 5वां स्थान हासिल किया और उन्हें एसजीएफआई (स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया) के लिए चुना गया। उन्होंने जनवरी 2024 के दूसरे सप्ताह में सोलापुर महाराष्ट्र में 67वें एसजीएफआई लॉन टेनिस कोचिंग कैंप और स्पोर्ट्स मीट (अंडर-14) में भाग लिया। सुश्री वान्या मेहता ने एआईटीए (ऑल इंडिया टेनिस एसोसिएशन) जूनियर चैम्पियनशिप सीरीज़ में भी स्वर्ण पदक हासिल किया।

विद्यालय – रिपोर्ट / प्रतिवेदन

विज्ञान विभाग की रिपोर्ट

• 7 छात्रों ने क्लस्टर स्तर पर राष्ट्रीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी में भाग लिया और 6 छात्रों को क्षेत्रीय स्तर के आरबीवीपी के लिए चुना गया। आठवीं कक्षा के युग गोहिल को दूसरा स्थान और सातवीं कक्षा की कुमारी अंशिका को तीसरा स्थान मिला। कक्षा V के अभिनव कुमार पांडे को के.वि. एएफएस मकरपुरा में आयोजित क्षेत्रीय स्तरीय राष्ट्रीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी में स्टैंड बाई के रूप में चुना गया है।

2 छात्रों (कक्षा सातवीं की कुमारी अंशिका मिश्रा और कक्षा आठवीं के युग गोहिल) ने 8 अप्रैल से 10 अप्रैल 2024 तक केआईआईटी विश्वविद्यालय भुवनेश्वर में केवीएस राष्ट्रीय स्तर के राष्ट्रीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शन में भाग लिया।

मानक इंस्पायर अवार्ड में 5 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस 2023 में 5 छात्रों ने भाग लिया।

राष्ट्रीय विज्ञान ओलंपियाड में 50 छात्रों ने भाग लिया। 10 छात्रों ने स्वर्ण पदक प्राप्त किए ।

अंतर्राष्ट्रीय गणित ओलंपियाड में 50 छात्रों ने भाग लिया। 8 छात्रों ने स्वर्ण पदक प्राप्त किए।

अंतर्राष्ट्रीय सामाजिक विज्ञान ओलंपियाड में 38 छात्रों ने भाग लिया। 5 छात्रों ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

इंटरनेशनल अर्थ ओलंपियाड में 7 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

KAMP (नॉलेज एंड अवेयरनेस मैपिंग प्लेटफॉर्म) में 7 छात्रों ने भाग लिया।

कक्षा 9 के उमंग गुप्ता को गणित ओलंपियाड में द्वितीय स्तर के लिए चयनित किया गया तथा सातवीं कक्षा की अंशिका को विज्ञान ओलंपियाड में दूसरे स्तर के लिए चुना गया।

• अरुणा लाल छात्रवृत्ति स्क्रीनिंग टेस्ट के लिए 7 छात्रों को नामांकित किया गया। कक्षा 11 की एक छात्रा श्रीवाणी मेहता को अपने पोस्टर 'सभी के लिए स्वच्छ और किफायती ऊर्जा' के साथ पीआरएल, अहमदाबाद में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह में भाग लेने के लिए चुना गया।

विद्यालय – रिपोर्ट / प्रतिवेदन

REPORT ON INTEGRATION OF ART AND SPORTS IN CLASSROOM TEACHING IN KV NO-4 ONGC VADODARA FLEXIBILITY ACROSS STREAMS

The integration of art, sports, and interdisciplinary projects in classroom teaching at KV No -4 ONGC Vadodara promotes holistic education, creativity, and practical understanding among students.

1. BALA Project (Building as Learning Aid): by Classes VII, VIII, and IX Initiatives

- **Interdisciplinary Learning**:
  - **Hindi and English**: Students use the school environment (walls, floors, etc.) to create interactive learning spaces, such as vocabulary walls and story corners.
  - **Science and Maths**: Mathematical concepts and scientific phenomena are illustrated through murals and diagrams around the school, turning the building itself into a learning tool.
  - **Snakes and Ladders for Counting: Class VII**: Students designed a snakes and ladders game to practice counting and basic arithmetic, making learning numbers fun and interactive.

2. Class VII Projects Selected for KVS Bal Vagyanik Pradarshani

i. Model on Health and Computational Thinking: Health Awareness: Students build models related to health, integrating computational thinking skills to solve health-related problems.

3.Class VIII English activities integrated with science

i.Water Cycle Game:Interactive Learning: Students play a game that simulates the water cycle, reinforcing their understanding through engagement and fun.

ii. A Talk on Water Cycle: Educational Discussion: A session where students discuss the water cycle, its stages, and its significance.

iii. Role Play and Dramatization on Environmental Pollution: Students enact scenes depicting various pollution scenarios, highlighting causes, effects, and preventive measures.

विद्यालय – रिपोर्ट / प्रतिवेदन

4.Class X English :

i. Comic Representation of the Poem "The Trees": Students create comics to illustrate the themes and emotions of the poem, combining artistic creativity with literary analysis.

ii."Just a Minute" on Environmental Pollution: Students delivered one-minute speeches on different aspects of environmental pollution, fostering quick thinking and knowledge sharing.

5. Class XI English

i. Class Magazine:

- **Integration of Articles**:
  - **English**: Literary reviews, poems, and essays.
  - **Hindi**: Stories, poems, and cultural articles.
  - **Science**: Articles on recent scientific advancements and experiments.
  - **Maths**: Puzzles, interesting problems, and their solutions.
  - **Art**: Paintings and posters.

ii. Skit on "Bullying": Performance: Students wrote the script and performed a skit addressing the issue of bullying, emphasizing empathy, awareness, and solutions.

6.Class IX Science Projects

i. Bookmark on Scientific Symbols and Diagrams: Students create bookmarks featuring scientific symbols and diagrams, helping them remember key concepts.

7. Class XII Literary Activity

i. Travelogues Based on "Journey to the End of the Earth": Writing and Exploration: Students write travelogues inspired by the chapter, blending creative writing with geographical and scientific insights.

By engaging in diverse activities, students not only learn academic concepts but also develop essential life skills and a deeper appreciation for various subjects.

विद्यालय – रिपोर्ट / प्रतिवेदन

Report on “Board Examination”

This report outlines the various activities implemented to prepare students for the CBSE board examinations-2024. These initiatives were aimed at providing comprehensive support and guidance to ensure the success of all students.

1. Monthly Tests and Pre-Board Examinations:
Monthly tests and pre-board examinations were conducted to assess students' understanding of the curriculum and to familiarize them with the examination pattern. These assessments helped identify areas of improvement and allowed teachers to provide targeted feedback.

2. Individualized Support: Recognizing the diverse needs of students, individualized support was offered to those requiring extra assistance. Teachers provided personalized guidance and mentoring to help struggling students improve their understanding and performance.

3. Remedial Classes for Less Achievers:
Remedial classes were arranged for students who struggled to meet academic expectations. These classes offered personalized attention and additional support to help students improve their understanding of challenging topics and bridge any learning gaps.

4. Regular Parent-Teacher Meetings:
Regular parent-teacher meetings were held to update parents on their child's academic progress and address any concerns or challenges. These meetings facilitated open communication and collaboration between parents and teachers to support students effectively.

5. Tips on How to Attempt Board Examination:
Subject teachers of Classes X and XII provided valuable tips and strategies on how to approach board examinations effectively. These tips included time management techniques, question-solving strategies, and guidance on presentation skills to maximize students' performance.

6. Doubt Clearing Sessions:
Doubt clearing sessions were conducted regularly to address students' queries and clarify concepts. These sessions provided students with the opportunity to seek clarification on challenging topics and enhance their understanding of the subject matter.

विद्यालय – रिपोर्ट / प्रतिवेदन

7. Extra Classes During Winter Break:

Extra classes were organized during the winter break to provide additional revision and practice opportunities for students. These classes ensured continuity in learning and allowed students to consolidate their knowledge before the board examinations.

8. Study Material, Sample Papers, MLL, Sure Shot Question Bank:

A comprehensive range of study material, including sample papers, Minimum level of learning (MLL), and a sure-shot question bank, was provided to students to aid their preparation. These resources helped students familiarize themselves with the exam pattern and practice answering questions effectively.

9. Providing Moral Support and Regular Counseling by Senior Teachers:

In addition to academic support, moral support was extended to students to boost their confidence and morale. Teachers and staff members offered encouragement and reassurance to instill a positive mindset among students.Senior teachers conducted regular counseling sessions to address students' emotional and psychological well-being. These sessions provided a platform for students to express their concerns and receive guidance on managing exam-related stress and anxiety.

10. Blessing Ceremony for Ongoing Students:

A blessing ceremony was organized to invoke blessings and well-wishes for students appearing for the board examinations. This ceremony aimed to inspire students and instill them with confidence and positivity as they embarked on their academic journey.

11. Pariksha Pe Charcha: The "Pariksha Pe Charcha" was viewd by all the students: an interactive session by our revered Prime Minister to alleviate exam-related stress and inspire students to approach exams with confidence and positivity.

In conclusion, the activities conducted in preparation for the board examination were comprehensive and aimed at maximizing student success. Through a combination of academic support, continued monitoring, psychological guidance, and logistical arrangements, every effort was made to create an enabling environment for students to perform their best in CBSE Board Examination-2024

विद्यालय – रिपोर्ट / प्रतिवेदन

Report on Examination and New Assessment System (2023-24)

With the implementation of the National Education Policy (NEP) 2020, there has been a significant shift in the approach to learning assessment. The NEP 2020 aims to transition from a traditional summative assessment, which primarily tests rote memorization, to a more comprehensive and progressive model. This new assessment framework is characterized by the following key aspects:

- **Regular and Formative Assessments:** Assessments are now conducted more frequently, focusing on continuous learning and improvement.
- **Competency-Based Evaluation:** The system emphasizes measuring students' understanding and application of knowledge rather than just recall.
- **Higher-Order Skills:** The assessment focuses on evaluating students' abilities in analysis, critical thinking, and conceptual clarity.

The new progress card is a holistic, 360-degree, multidimensional report that reflects not only the academic progress but also the unique abilities of each learner across cognitive, affective, and psychomotor domains. It incorporates various elements, including:

- **Self-Assessment and Peer Assessment:** Encouraging students to evaluate their own and their peers' work.
- **Project-Based and Inquiry-Based Learning:** Assessing students through their involvement in projects, inquiries, quizzes, role plays, group work, and portfolios.
- **Teacher Assessments:** Continuous evaluation by teachers, combined with the other forms of assessments.

To ensure that parents are actively involved in their children's education, these progress cards are supplemented with Parent-Teacher Meetings (PTMs), where discussions on the child’s learning journey take place.

विद्यालय – रिपोर्ट / प्रतिवेदन

Calendar of Activities for the Examination Department (2023-24)

- **Monthly Tests for Classes X & XII:** These tests are conducted regularly to monitor the students' progress.
- **Periodic Tests, Mid-Term, and Session Ending Examinations:** For Classes III to IX & XI, two periodic tests, mid-term, and final examinations are conducted. For Class X, two pre-board examinations are also held.
- **Parent-Teacher Meetings (PTMs):** PTMs are organized after each Periodic Test and Mid-Term Examination. Special PTMs are conducted for parents of students in Classes VI to VIII to make them aware of the new assessment policy, including tools like MDP and LD.
- **Preboard Examinations and Special Study Camps for Classes X and XII**

To ensure thorough preparation for the upcoming CBSE board examinations, two preboard examinations were conducted for Classes X and XII. These exams aimed to familiarize students with the format, timing, and level of difficulty they can expect in the final board exams.

Mrs. Jatinder Kaur
I/c Exam Department

विद्यालय – रिपोर्ट / प्रतिवेदन

Report on the Activities Conducted in English (Session 2023-24)

With the focus on essential learning and critical thinking skills, the NCERT reduced the syllabus across all subjects from the academic session 2022-23. This reduction aims to enable students to enhance their critical and creative thinking skills by engaging in various fun and educational activities related to the subject.

Activities Conducted in English (Classes X to XII)

In the academic session 2023-24, the following activities were conducted in English classes to foster critical thinking and creativity:

- **Class X:**
  - **Speech:** Students were encouraged to develop and deliver speeches on various topics, improving their oratory and persuasive skills.
  - **Debate:** Structured debates were organized to help students develop reasoning and argumentation abilities.
  - **Role Play:** Through role-playing, students explored different perspectives and enhanced their empathy and communication skills.
  - **Dramatization:** Students participated in dramatization exercises, which helped them understand literature through performance.
  - **Listening Skills:** Various listening activities were conducted to improve comprehension and critical listening abilities.

विद्यालय – रिपोर्ट / प्रतिवेदन

- **Class XI:**
  - **Debate:** Debates in Class XI were more sophisticated, encouraging deeper analysis and critical thinking.
  - **Role Play:** Students engaged in more complex role-playing activities, often related to their curriculum.
  - **Listening Skills:** Listening exercises were designed to challenge students and improve their ability to process and analyse spoken information.
  - **Skit Presentation:** Students created and performed skits, fostering creativity and collaborative work.
  - **Class Magazine:** Students contributed to a class magazine, developing their writing, editing, and design skills.
  - **School Brochure:** A school brochure project allowed students to apply their language skills in a practical and creative context

- **Class XII:**
  - **Speech:** Students delivered speeches on complex and abstract topics, honing their ability to convey ideas effectively.
  - **Debate:** Debates were conducted on contemporary issues, requiring students to engage in research and critical analysis.
  - **Role Play:** Role-playing activities were integrated into the curriculum to help students explore and express nuanced viewpoints.
  - **Listening Skills:** Listening activities were designed to test and improve students' ability to understand and critically engage with spoken content.

These activities were integral to creating a dynamic and interactive learning environment, encouraging students to think critically, express creatively, and engage deeply with the subject matter.

Mrs. Jatinder Kaur
PGT English

उपलब्धियाँ

















विद्यार्थी उपलब्धि

Garima, class XI got first position in elocution competition (hindi) in under Khadi Mahotsav at Regional Level.



Apoorva, class IX got second position in elocution competition (hindi) under Khadi Mahotsav at Regional Level



Six paintings by students selected for national level EBSB stall at K VSsaltlake Kolkata



विद्यार्थी उपलब्धि



सुश्री वान्या मेहता ने लॉन टेनिस (अंडर-14) में केविएस राष्ट्रीय स्तर पर 5वां स्थान हासिल किया और उन्हें एसजीएफआई (स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया) के लिए चुना गया। उन्होंने जनवरी 2024 के दूसरे सप्ताह में सोलापुर महाराष्ट्र में 67वें एसजीएफआई लॉन टेनिस कोचिंग कैंप और स्पोर्ट्स मीट (अंडर-14) में भाग लिया। एआईटीए (ऑल इंडिया टेनिस एसोसिएशन) जूनियर चैम्पियनशिप सीरीज़ में भी स्वर्ण पदक हासिल किया।



स्रिवानी मेहता कक्षा 11वीं ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अंतर्गत वडोदरा क्लस्टर से चयनित हुई ।

विद्यार्थी उपलब्धि



कक्षा 4 के दिव्य ने 'भारत सेवाश्रम संघ' द्वारा आयोजित भगवत गीता श्लोक वाचन प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त किया ।



पांचवीं कक्षा के आदर्श को उर्मी स्कूल, वडोदरा में कर्नाटक संगीत के तहत गायन में ट्रॉफी और प्रमाण पत्र मिला

विद्यार्थी उपलब्धि



दसवीं कक्षा के रुद्र प्रधान को गणतंत्र दिवस परेड में विद्यालय की स्काउट और गाइड टीम के परेड कमांडर के लिए सराहना और नकद पुरस्कार मिला।



गणतंत्र दिवस परेड में विद्यालय की स्काउट और गाइड टीम की परेड में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले कक्षा 9 के निकुंज को प्रशंसा और नकद पुरस्कार मिला।





GOVERNMENT OF INDIA
DEPARTMENT OF SPACE
INDIAN SPACE RESEARCH ORGANISATION (ISRO)

CERTIFICATE OF PARTICIPATION IN

ONLINE QUIZ

Umang Gupta

THIS CERTIFICATE IS
AWARDED TO
Umang Gupta
ON HAVING PARTICIPATED IN THE ONLINE QUIZ ON LAUNCH OF
"ADITYA - L1"
THIS ONLINE QUIZ WAS CONDUCTED BY ISRO FOR STUDENTS OF CLASS 9TH TO 12TH
FROM AUGUST 30, 2023 TO SEPTEMBER 05, 2023

Director

कक्षा 9 के उमंग गुप्ता ने इसरो द्वारा आयोजित आदित्य-एल1 के लॉन्च पर ऑनलाइन क्विज़ में भाग लिया

विद्यार्थी उपलब्धि





7 छात्रों ने राष्ट्रीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी में भाग लिया और 6 को क्षेत्रीय स्तर के लिए चुना गया तथा 3 को राष्ट्रीय स्तर के लिए चुना गया ।

विद्यार्थी उपलब्धि

कला उत्सव

पहला स्थान - अभिनव मिश्रा -IX (मोनो एक्टिंग)

दूसरा स्थान - दिशा पटेल -IX (मोनो एक्टिंग)
हिमांशु गुप्ता - X (2डी पेंटिंग)
श्रेया सिंह - X (शास्त्रीय नृत्य)
जयवर्धन - IX (लोक नृत्य)
अलीशा - IX (लोक नृत्य)

तीसरा स्थान - रुचिता गोरू -बारहवीं (2डी पेंटिंग)
आयुषी रावत - (स्वदेशी खिलौना)
रुद्र प्रताप - (मूर्तिकला)











विद्यार्थी उपलब्धि

खेल - कूद

S.N	NAME OF EVENT	NO OF PARTICIPANTS	ACHIEVEMENTS	MEDALS
1	KHO-KHO U-17(BOYS)	2	2ND POSITION	SILVER
2	KHO-KHO U-17(BOYS)	1	1ST POSITION	GOLD
3	BADMINTON U-14(BOYS)	1	1ST POSITION	GOLD
4	TENNIS U-17,14(GRILS)	2	1ST POSITION	GOLD







शिक्षक उपलब्धि



श्रीमती संगीता अरोड़ा पीजीटी (भौतिक विज्ञान) ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा फरीदाबाद, हरियाणा में आयोजित 9वें भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव में एक भाग के रूप में राष्ट्रीय विज्ञान शिक्षक कार्यशाला में भाग लिया।

Mrs. Sangeeta Arora, PGT (Physics) got Certificate of Appreciation for participating in the evaluation of reports of the experiments during the prelim round of NAEST - 2023


NAEST-2023

NATIONAL ANVESHIKA EXPERIMENTAL SKILL TEST
organized by
NATIONAL ANVESHIKA NETWORK OF INDIA (NANI)
a unit of
INDIAN ASSOCIATION OF PHYSICS TEACHERS (IAPT)
in collaboration with
SHIKSHA SOPAN

Certificate of Appreciation

This certificate is proudly presented to

SANGEETA ARORA

from KENDRIYA VIDYALAYA NO 4 ONGC, VADODARA

for her active participation in the evaluation of reports of the experiments during the Prelims round of NAEST-2023

We wish her a successful academic career.

Prof. H. C. Verma
Prof. A. K. Sharma
Prof. P. K. Ahluwalia

शिक्षक उपलब्धि



श्री रजनीश सिंह तोमर,
पीजीटी (जीव विज्ञान)

केविएस लिमिटेड विभागीय परीक्षा के तहत उप प्राचार्य के रूप में चयनित



डॉ. तरूणा माथुर, टीजीटी (कला शिक्षा)

शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रेरणा स्कूल कार्यक्रम के लिए सलाहकार शिक्षक के रूप में चयनित।

13 शिक्षकों ने हिंदी में पारंगत परीक्षा सफलतापूर्वक पूरी की और प्रमाण पत्र प्राप्त किया।

शिक्षक उपलब्धि



श्रीमती संगीता अरोड़ा
पीजीटी (भौतिक विज्ञान)



श्रीमती हुमा यासमीन
पीजीटी कंप्यूटर साइंस



डॉ. तरूणा माथुर,
टीजीटी (कला शिक्षा)



श्री तेजस जादव
संगीत शिक्षक

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, गुजरात सरकार द्वारा आयोजित ऑनलाइन कार्यक्रम "शिक्षकों का सम्मान: भविष्य को प्रेरित करते हुए" में भागीदारी की।



RESPECTING TEACHERS: INSPIRING THE FUTURE

A program dedicated to Teachers for their pioneering work and contribution

4th September 2023

Organized by

Gujarat Council on Science and Technology :
Investing in Science : Investing in the Future!
Dept. of Science and Technology, Govt. of Gujarat

Certificate of Appreciation

BRAND AMBASSADOR

We thankfully acknowledge the presence and participation of

Prof./Dr./Smt./Shri HUMA YASMIN

K V NO 4 ONGC, VADODARA in the program on

Respecting Teachers: Inspiring the Future

held by GUJCOST on 4th September, 2023.

We appreciate the kind and generous support of him/her towards training and motivation of next generation learners.

Happy Teacher's Day

(Dr. Narottam Sahoo)
Advisor & Member Secretary
GUJCOST

शिक्षक उपलब्धि

निम्नलिखित पीजीटी और टीजीटी को दसवीं और बारहवीं सीबीएसई बोर्ड परीक्षा 2023-24 में अपने संबंधित विषयों में केविएस राष्ट्रीय पीआई से ऊपर पीआई (प्रदर्शन सूचकांक) प्राप्त करने के लिए केवीएस द्वारा उत्कृष्टता के स्वर्ण प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया है।

		
Ms. Sangeeta Arora (PGT Physics)	Ms Huma Yasmin (PGT CS)	Ms. Jatinder Kaur (PGT Eng)
		
Ms. Seema Rajput (PGT Maths)	Dr. R K.Gupta (PGT Hindi)	Mr.B.S.Rathore (PGT Chem.)
		
Ms. Jigna Makwana (TGT SKT)	Mr. Vikash (TGT Soc. Sc.)	Ms. Dimpi Chuphal (TGT Maths)

विद्यालय उपलब्धि




KENDRIYA VIDYALAYA SANGATHAN
AHMEDABAD REGION
केंद्रीय विद्यालय संगठन
अहमदाबाद संभाग
CERTIFICATE FOR EXCELLENCE- 2023-24
उत्कृष्टता प्रमाण पत्र- 2023-24


KENDRIYA VIDYALAYA SANGATHAN
AHMEDABAD REGION
केंद्रीय विद्यालय संगठन
अहमदाबाद संभाग
CERTIFICATE FOR EXCELLENCE- 2023-24
उत्कृष्टता प्रमाण पत्र- 2023-24

सी.बी.एस.ई. बोर्ड परीक्षा 2023-24 में कक्षा X और XII में क्षेत्रीय पीआई से अधिक शत-प्रतिशत परिणाम और प्रदर्शन सूचकांक देने के लिए माननीय उपायुक्त श्रीमती श्रुति भार्गव मैडम द्वारा विद्यालय को उत्कृष्टता का प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

विद्यालय उपलब्धि



केंद्रीय विद्यालय क्र. 4, ओ.एन.जी.सी वड़ोदरा को सत्र 2023-24 में राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में उत्कृष्ट निष्पादन हेतु केंद्रीय विद्यालय संगठन अहमदाबाद संभाग द्वारा प्रदान किया गया ।



विविध गतिविधियों की झलक

डॉ. अंबेडकर जयंती







पृथ्वी दिवस





वार्षिक दिवस













साइकिल रैली





अग्नि सुरक्षा पर चित्र प्रतियोगिता









जी 20









स्कूल अभिमुखीकरण









भाषा संगम


केन्द्रीय विद्यालय
केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक - 04
ओ.एन.जी.सी. बडोदरा.
एक भारत - श्रेष्ठ भारत
भाषा संगम संकल्प


केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक - 04
ओ.एन.जी.सी. बडोदरा.
एक भारत - श्रेष्ठ भारत
भाषा संगम संकल्प


क्रमांक - 04
एक भारत - श्रेष्ठ भारत
भाषा संगम संकल्प

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस













स्काउट एवं गाइड









विश्व स्वास्थ्य दिवस





नशामुक्त भारत अभियान



एनईपी की तीसरी सालगिरह



ब्रिटिश काउंसिल और सीबीएसई अधिकारी का दौरा










भाषण प्रतियोगिता






राष्ट्रीय प्रतीक चिह्न



शैक्षणिक भ्रमण

















गुरु पूर्णिमा


केन्द्रीय विद्यालय
KENDRIYA VIDYALAYA


केन्द्रीय विद्यालय
KENDRIYA VIDYALAYA


केन्द्रीय विद्यालय
KENDRIYA VIDYALAYA


केन्द्रीय विद्यालय
KENDRIYA VIDYALAYA


KENDRIYA VIDYALAYA


केन्द्रीय विद्यालय
KENDRIYA VIDYALAYA


केन्द्रीय विद्यालय

अलंकरण समारोह











विद्यार्थी चिकित्सा जांच शिविर







ओ.एन.जी.सी. द्वारा भित्त चित्रण













वृक्षारोपण









पैदल यात्रा









एक भारत श्रेष्ठ भारत





कला उत्सव







गुमनाम नायकों पर फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता







समूह गान प्रतियोगिता









स्वतंत्रता दिवस




केन्द्रीय विद्यालय
KENDRIYA VIDYALAYA


KENDRIYA VIDYALAYA


केन्द्रीय विद्यालय


केन्द्रीय विद्यालय
KENDRIYA VIDYALAYA


केन्द्रीय विद्यालय

राष्ट्रीय खेल दिवस





फिट इंडिया







भारत की जनजातियों पर चित्रकला प्रतियोगिता













नए प्राचार्य महोदय का स्वागत









हिन्दी पखवाड़ा


KENDRIYA VIDYALAYA
हिन्दी पखवाड़ा


KENDRIYA VIDYALAYA
हिन्दी पखवाड़ा




KENDRIYA VIDY


KENDRIYA VIDYALAY
हिन्दी पखवाड़ा





स्वच्छता पखवाड़ा











पोषण माह


केन्द्रीय विद्यालय
KENDRIYA VIDYALAYA


केन्द्रीय विद्यालय
KENDRIYA VIDYALAYA


केन्द्रीय विद्यालय
KENDRIYA VIDYALAYA


केन्द्रीय विद्यालय
KENDRIYA VIDYALAYA

मेरी माटी मेरा देश







शिक्षक दिवस


विद्यालय क्रमांक - 04
ओ.एन.जी.सी. वडोदरा
शिक्षक दिवस
की शुभकामनाएं


केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक - 04




केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक - 04
शिक्षक दिवस





बाला प्रोजेक्ट







आदिवासी उत्सव


TRIBAL UPRISING FREEDOM FIGHTER
BIRSA MUNDA
NAME: ABHIRAJ HULLE.
CLASS: 5 . ROLL NO: 507






TRIBAL PAINTINGS OF INDIA

बस्ता रहित दिन











वीर गाथा

वेबिनार



वेशभूषा प्रतियोगिता





सतर्कता जागरुकता अभियान











अन्य गतिविधियाँ



अहमदाबाद में यूनियन बैंक ऑफ इंडिया द्वारा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता



एक छात्र द्वारा कपड़ा बुनाई का अनुभव साझा किया

स्वच्छता ही सेवा



गांधी जयंति





भाषाएँ अनेक, भाव एक



मनोदर्पण


केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक
KENDRIYA VIDYALAYA
मनोदर्पण
MENTAL HEALTH
WEEK


केन्द्रीय विद्यालय
मनोदर्पण
MENTAL HEALTH
WEEK


केन्द्रीय विद्यालय
KENDRIYA VIDYALAYA


केन्द्रीय विद्यालय
KENDRIYA VIDYALAYA

मानसिक स्वास्थ्य सप्ताह







ओ.एन.जी.सी. द्वारा पेपर पुनरावृत्ति कार्यक्रम









वार्षिक पैनल निरीक्षण













राष्ट्रीय एकता दिवस







पीआईडीपीआई


WWW.CVC.GOV.IN
केन्द्रीय सतर्कता आयोग
Central Vigilance Commission
Management System
Complaint
CVC/CVO


SYSTEM 4 PROCEDURES OF THE
Policies

राज्य शिक्षा उपलब्धि सर्वेक्षण / SEAS



खादी महोत्सव



राष्ट्रीय शिक्षा दिवस



बाल दिवस



जनजातीय गौरव दिवस







संविधान दिवस




केन्द्रीय विद्यालय
KENDRIYA VIDYALAYA
केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक - 04
K.V. No. 4 ONGC VADODARA
संविधान दिवस शपथ

भारतीय भाषा उत्सव


केन्द्रीय विद्यालय क्र. - 04 ओ.एन.जी.सी.
KENDRIYA VIDYALAYA NO. 04, O.N.G.C. VADO
75 दिवसीय
भारतीय भाषा उत्सव
विषय : भाषाएं अनेक, भाव एक


KENDRIYA VIDYALAYA
NO. 4, O.N.G.C., Vadodara
केन्द्रीय विद्यालय संगठन
विद्यालय क्रमांक - 04
GUJARATI
MARATHI
मराठी
केन्द्रीय विद्यालय क्र.
ओ.एन.जी.सी. वड़ोदरा
KENDRIYA VIDYALAY
O.N.G.C. VADODARA

निपुण भारत की क्लस्टर स्तर की बैठक





75 दिवसीय भाषा संगम समापन समारोह





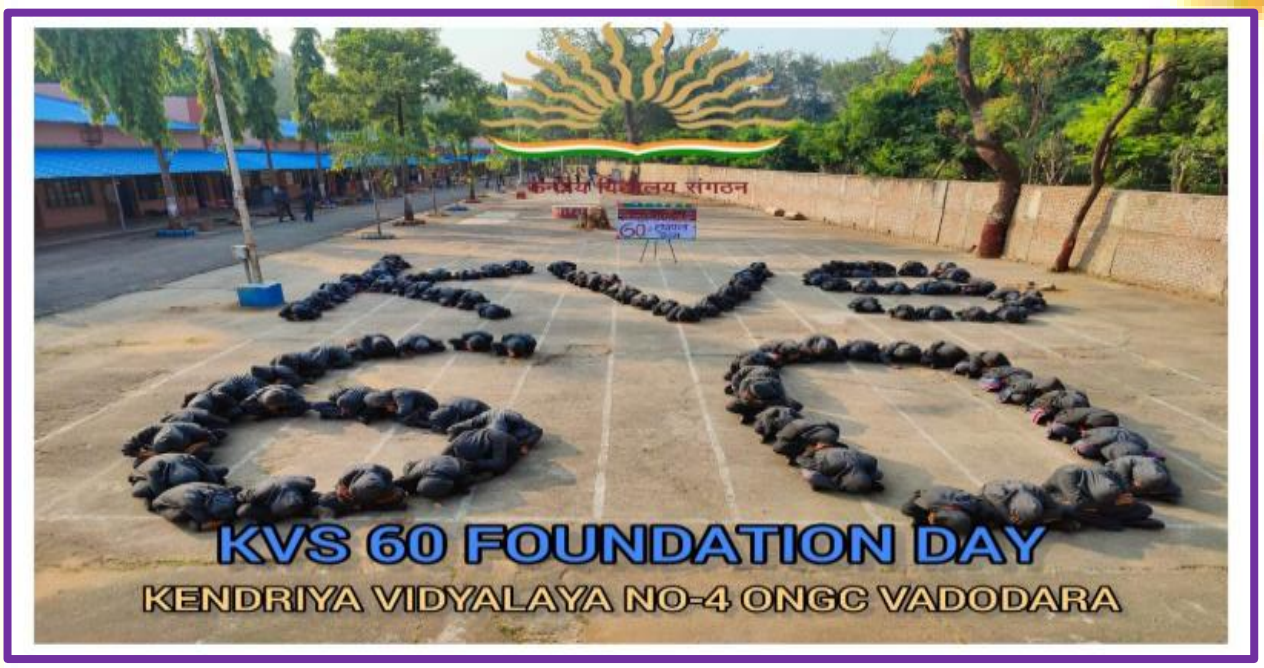








के.वि.सं. स्थापना दिवस


KVS 60 FOUNDATION DAY
KENDRIYA VIDYALAYA NO-4 ONGC VADODARA


केन्द्रीय विद्यालय
KENDRIYA VIDYALAYA
NO. 4, O.N.G.C., Vadodara
केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक - 04
ओ.एन.जी.सी. बड़ोदरा.
60 वीं स्थापना दिवस

अभिभावक शिक्षक बैठक










अटल टिंकरिंग लैब गतिविधियाँ





आर.बी.वी.पी. के लिए के.वि. मकरपुरा में छात्रों का दौरा





वीर बाल दिवस


केन्द्रीय विद्यालय
KENDRIYA VIDYALAYA
केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक - 04




केन्द्रीय विद्यालय
KENDRIYA VIDYALAYA
केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक - 04



ग्रैड पेरेंट्स दिवस

राष्ट्रीय युवा दिवस



विज्ञान सप्ताह





मकर संक्रांति



पराक्रम दिवस





सी.एस.आई.आर. जिज्ञासा वेबिनार





साथी वेबिनार



परीक्षा पे चर्चा वेबिनार



गणतंत्र दिवस













कक्षा दसवीं का आशीर्वाद समारोह





कक्षा बारहवीं का विदाई समारोह





बसंत पंचमी उत्सव





महात्मा गांधी पुण्यतिथि



विश्व चिंतन दिवस


केन्द्रीय विद्यालय
KENDRIYA
केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक - 04
VIDYALAYA No. - 04
O.N.G.C. VADODARA


केन्द्रीय विद्यालय
केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक - 04
ओ.एन.जी.सी. वडोदरा.
KENDRIYA VIDYALAYA No. - 04
O.N.G.C. VADODARA

कार्यशाला



संविदात्मक पैनल साक्षात्कार













महिला दिवस
















वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषणा













रचनात्मक कार्य

कला विभाग




Name :- Aarchi Ray
Class:- 6th
School:- KV ONGC -4
Aarchi

















Name : L. Lavisha Reddy
class : VIII-5
School : K.V School, No-4
Baroda

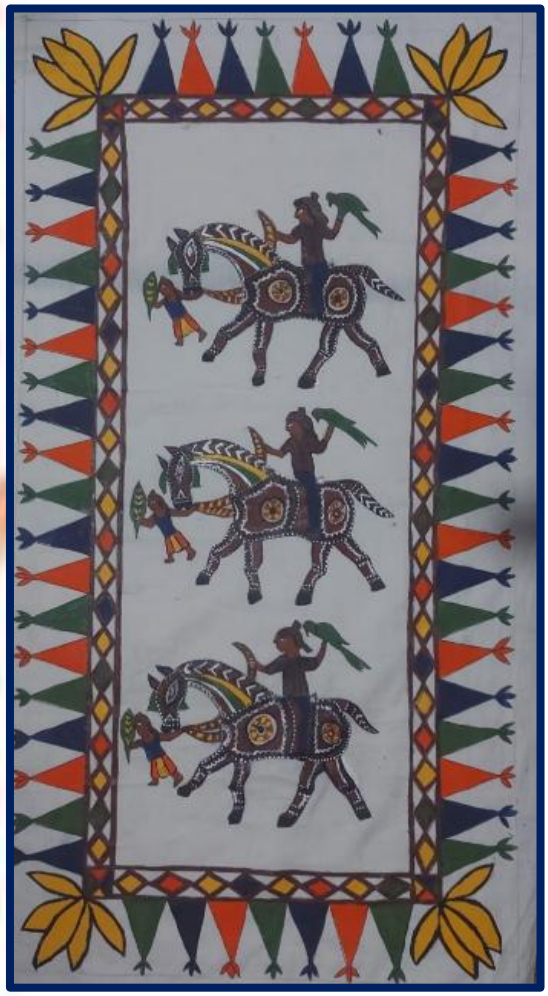





परीक्षा पे
चर्चा
V.No. 4 ONGC VADODARA









रचनात्मक अभिव्यक्ति

हिंदी विभाग



जीवन का लक्ष्य

यह सर्वविदित तथ्य है कि बिना लक्ष्य वाला व्यक्ति जीवनहीन व्यक्ति होता है। इस ब्रह्माण्ड में सभी प्राणियों का कोई न कोई विशिष्ट उद्देश्य है। यह सभी चीजों के लिए सामान्य है. चूँकि मनुष्य उन सभी में सर्वश्रेष्ठ प्राणी है, इसलिए उसे यह चुनने का अधिकार दिया गया है कि वह अपने जीवन में क्या करना चाहता है। हर व्यक्ति की मानसिकता अपने-अपने प्रकार की होती है। इसलिए उसके जीवन का लक्ष्य भी दूसरों से अलग होगा।

जीवन ईश्वर का सबसे बड़ा आशीर्वाद है; फिर भी, यदि कोई उद्देश्य और उद्देश्य नहीं है, तो जीवन बेकार और निरर्थक है। हममें से हर कोई एक मिशन के साथ पैदा हुआ है। जीवन में लक्ष्य का होना जरूरी है। यदि आप अपने जीवन में कुछ करना चाहते हैं, तो आपके पास एक लक्ष्य होना चाहिए।

<u>जीवन में लक्ष्य का महत्व:</u>

एक लोकप्रिय कहावत है कि बिना लक्ष्य वाला व्यक्ति बिना पतवार के लक्ष्य के समान होता है। इसका मतलब है कि बिना पतवार वाले जहाज़ को ख़तरे का सामना करना पड़ता है। इसी प्रकार बिना लक्ष्य वाला व्यक्ति अपने जीवन के लक्ष्य तक नहीं पहुंच सकता। वह अपने जीवन के मार्ग में लड़खड़ाता है।



लक्ष्य कैसे प्राप्त करें?

1. ऐसे लक्ष्य चुनें जो आपको प्रेरित करें
2. सक्रिय रहें
3. अब कोई नकारात्मकता नहीं
4. संतुलित रहें
5. इसे तोड़ दो

लक्ष्य निर्धारित करना और उन्हें प्राप्त करना कठिन है। कोई शॉर्टकट या आसान मार्ग नहीं हैं, सही मार्ग का उपयोग करें।

6. अपनी असफलता से निपटें और उससे सीखें।
7. सफलता की राह पर चलें और प्रेरित रहें.
8. सहायता प्राप्त करें

अकेले संघर्ष मत करो. कभी-कभी केवल इतना ही होता है कि आप किसी प्रोजेक्ट को तब तक ले सकते हैं जब तक आपको नए परिप्रेक्ष्य की आवश्यकता न हो।

9. अपनी प्रगति पर नज़र रखें

फिनिश लाइन बनाने के लिए एक बड़ा प्रोत्साहन यह देखना हो सकता है कि आप पहले ही कितनी दूर आ चुके हैं।

10. अंतिम परिणाम का इंतज़ार करें

जैत्री कोठारी
कक्षा: 8



बरसते बादल

बहुत घुटे होंगे ये बादल,
जो आज बरसे हैं यूं,
चारों ओर गरज और बिजली की चमचमाहट के साथ,
भाप की गर्माहट कितनी सही होगी।
तब जाके फफक-फफक के रोएँ हैं,
यूं सरेआम,
अपना रंग भी बदला।
कहीं काले, तो कहीं,
गहरे नीले बूंदो के भार से
झुके-झके चलते रहे।
जहां सहन सीमा समाप्त हो गयी,
बस वहीं थम गये,
कदमों से वो
और ऊढेल दिया हर कण भाप का,
ताप का, कहां था कोई उसका,
सब लड़ रहे थे खुद से खुद होने की जंग को।
वो घना अंधेरा भी सहना था उन्हे और फ़िर मुस्कुराना था।

ओम शिखा राठौड़
कक्षा -8



एक प्याली चाय



एक प्याली चाय का बहुत महत्व है। कल्पना कीजिए कि जाड़े का दिन हो । ठंडी हवा बह रही तो । अनवरत वर्षा हो रही हो। दिन जल्दी-जल्दी ढलता हो । कोई पथिक वन प्रान्तर से मंजिल की ओर हांफता-काँपता कदम-कदम बढ़ रहा हो। धीरे- धीरे सूर्य ढल जाये, रास्ता अंधकाराच्छन्न हो जाये । उसी वक्त पथिक को रोशनी दीख जाये, सिर छिपाने के लिए छप्पर मिल जाये और शीघ्र उसे एक प्याली चाय मिल- जाये, उस चाय का मूल्य उस राही से कोई पूछे ।

आफिस का बाबू दिन भर अपनी फाइलों से जूझता रहता है। नाना समस्याओं को झेलता है। शाम में वह हार थककर घर लौटता है । वह यकावट से चूर-चूर रहता है। उस वक्त एक प्याली चाय उसके निर्जीव शरीर में एक नई प्राणधारा का उद्रेक करती है।

एक प्याली चाय आधुनिक सभ्यता की एक महत्वपूर्ण विभूति है। काफी हाउस में बैठकर कवि और साहित्यकार एक प्याली चाय पर साहित्यिक चर्चा बहुत जोश से करते हैं। कभी-कभी वहीं कविता पाठ ही शुरू हो जाता है। एक कोने में राजनीतिज्ञ एक प्याली चाय पर ही राजनीतिक दाँव-पेंच ठीक करते हैं। दोस्ती को मजबूत करने के लिए एक प्याली चाय तो अत्यन्त महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती है । दोस्त मिलते ही एक प्याली चाय के लिए आग्रह करते हैं ।

आजकल मेहमानों की संख्या बढ़ती जा रही है। तू मान-न-मान में तेरा मेहमान | ऐसी हालत में एक प्याली चाय पर ही ऐसे मेहमानों को चलता किया जाता हैं। चाय गरीबों के लिए भारी सहारा है। चाय नहीं रहती तो गरीब उजड़ जाते । इसी के द्वारा गरीब अपने भूखे पेटों को फुसलाया करते हैं ।



अनेक कवि और लेखक चाय की चुस्की लेते रहते हैं और काम करते रहते हैं। जिस काम में अधिक थकावट आती है, उसमें समय-समय पर चाय मिलना आवश्यक हो जाता है । बहुत लोग बिछावन से उठते ही चाय पीते हैं । अनेक बुदधिजीवी चाँय पीकर ही अपने काम के लिए नवशक्ति का बोध करते हैं ।

ठंडे देशों में एक प्याली चाय का महत्त्व असंदिग्ध है। इससे शरीर में कुछ गर्मी का भाव होता है और इस प्रकार एक नयी प्राणधारा का संचार होता है। अपने देश में तो शायद सस्ते पेय के लिए ही इसे प्रसिद्धि प्राप्त हुई है ।

चाय बनाने की भी कला है। दूध, चीनी, और चाय की मात्रा यदि असंतुलित हुई तो चाय का स्वाद विकृत हो जाता है। चाय की पत्तियों के किस्म पर भी इसका स्वाद निर्भर करता है । अच्छो चाय के लिए अनेक दूकानें प्रसिद्ध हो जाती हैं। सुस्वादु चाय से मन प्रसन्न हो जाता है । सुस्वादु चाय किसी-किसी को बनाने आती है ।

चाय से हमारे शरीर को नई स्फूर्ति मिलती हैं। बहुत लोगों का कहना है कि अन्ततोगत्वा चाय हानिकारक सिद्ध होती है। इसलिए महात्मा गान्धी इसे जहर कहते थे। सचमुच ठंडे देशों के लिए गर्म-गर्म चाय की सार्थकता समझ में आती है, किन्तु भारत जैसे गर्म देश के लिए इसकी महत्वशीलता पर प्रश्नवाचक चिह्न लग जाता है ।

उमंग गुप्ता
कक्षा - 9



कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI)

कृत्रिम बुद्धिमत्ता, जिसे AI के नाम से भी जाना जाता है, आज के आधुनिक युग में तकनीकी प्रगति का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुकी है। AI वह तकनीक है जिसमें कंप्यूटर सिस्टम और रोबोट को इंसानों जैसी सोचने, समझने और कार्य करने की क्षमता प्रदान की जाती है। इसका उपयोग विभिन्न क्षेत्रों में हो रहा है, जैसे चिकित्सा, शिक्षा, व्यापार, और परिवहन।

चिकित्सा क्षेत्र में AI का उपयोग रोगों की पहचान और उपचार में हो रहा है। शिक्षा में यह छात्रों को व्यक्तिगत तरीके से सीखने में सहायता कर रहा है। व्यापार में AI से डेटा विश्लेषण और ग्राहक सेवा में सुधार हुआ है। परिवहन में स्वचालित वाहन और ट्रैफिक प्रबंधन में AI का महत्व बढ़ रहा है।

AI के माध्यम से जटिल समस्याओं को हल करना और उत्पादकता बढ़ाना संभव हुआ है। हालांकि, इसके साथ ही गोपनीयता, सुरक्षा, और रोजगार पर प्रभाव जैसे चुनौतियां भी सामने आई हैं। इसीलिए AI के विकास के साथ नैतिक और सामाजिक पहलुओं पर भी ध्यान देना आवश्यक है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने हमारे जीवन को सरल और कुशल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। आने वाले समय में, AI की प्रगति हमें और भी अधिक संभावनाओं से रूबरू कराएगी।

नाम-युग गोहिल
कक्षा- 8



गर्मी और उच्च तापमान: कारण और समाधान

• प्रस्तावना :

जैसा कि आप सभी जानते हैं, गर्मियों का मौसम बच्चों के लिए विशेष रूप से मनोरंजक होता है क्योंकि वे पानी पार्क में खेल सकते हैं, अपनी छुट्टियों का आनंद ले सकते हैं और कई स्मारकों को देख सकते हैं, नए कौशल सीख सकते हैं, अपने गाँव जा सकते हैं और उसके बारे में जान सकते हैं, अपने दादा-दादी से मिल सकते हैं इत्यादि। परन्तु, आजकल गर्मियां आनंदमय होने के बजाय उत्तेजक हो रही हैं इसलिए इसे समझने के लिए पहले हमें यह जानना चाहिए कि तापमान कैसे बढ़ रहा है, फिर हम उसके हमारे पर क्या प्रभाव हैं उसे समझेंगे और अंत में हम यह जानेंगे कि इससे कैसे सुरक्षित रहा जा सकता है।

•कारण:

इसलिए सबसे पहले चलिए हम देखते हैं कि तापमान कैसे बढ़ रहा है। कुछ कारण हैं जैसे कि

- ग्लोबल वार्मिंग
- जीवाश्म ईंधन जलाना
- जंगल काटना
- पशु पालन
- हरितघर गैसें

और यह इतना खतरनाक हो सकता है कि यह जान जाने का कारण भी बन सकता है, इसलिए हमें समझना चाहिए कि इसका हम पर कैसा प्रभाव पड़ता है और इससे सुरक्षित कैसे रहा जा सकता है।



•हम पर प्रभाव:

यह हमें कई तरीकों में प्रभावित करता है जैसे कि गर्मी से दुर्बल होना, गर्मी की चक्कर खाना, , बीमारियों की वृद्धि आदि, लेकिन यह जानवरों पर भी प्रभाव डालता है इसलिए हमें इससे सुरक्षित रहना है।

•समाधान:

अब हम देखेंगे कि इससे सुरक्षित कैसे रह सकते हैं। इससे सुरक्षित रहने के लिए हमें ये उपाय अपनाने चाहिए।

•प्राय: पानी पीते रहें

•सूरज के रोशनी नुकसान से बचाव करें

•भारी काम करने से बचें या प्रातः या संध्या में करें

•अपने परिवार की जाँच करते रहें और जानवरों इत्यादि की भी देखभाल करते रहें

•घड़े का पानी उपयोग करें ताकि ठंडा रहें और उसे दूसरे जानवरों को भी दें।

सुरक्षित रहें, स्वस्थ रहें।

सत्यम कुमार द्विवेदी
कक्षा- 7



आओ चलें नए रास्ते

सपनों की ऊँचाइयों को छूने,
हम बढ़ते नए रास्तों में।
विचारों की पंखों से उड़ान,
नई पहचान बनाने का साहस हमारे मन में।
पुराने सिलसिलों से हम अलग,
नए संभावनाओं की खोज में रमन में।
सोच की उड़ान, जज़्बा नया,
हर रोज़ हम बढ़ते, करते हैं ज़रा।
नई उम्मीदों का संगम,
सपनों की धारा में हम बहते हैं अब जोर से।
स्कूल की मैगज़ीन में लिखा है यह गीत,
हर शब्द बच्चों की उम्र बढ़ाता है मीठा मीठा।
युवा हैं हम, ख्वाबों के परिचायक,
नए सपनों को अपने होश में लाते हैं राही।
आओ चलें नए रास्ते, जीते हैं नया खिलौना,
स्कूल के इस मैगज़ीन में छाई,
हमारी नई कहानी की कहानी।

दिशा
कक्षा – 9



भारतीय संस्कृति का महत्व

समय के साथ, हमारी संस्कृति और विरासत की महत्ता को समझना और समालोचन करना अधिक महत्वपूर्ण होता जा रहा है। भारतीय संस्कृति हमें एक समृद्ध, समाधानशील और सही दिशा में जीने की शिक्षा देती है। इस लेख में, हम भारतीय संस्कृति के महत्व को समझेंगे और इसके उदाहरणों को विचार करेंगे।

भारतीय संस्कृति विश्व की सबसे प्राचीन संस्कृतियों में से एक है। इसकी धरोहर में विविधता, रंगता और समृद्धि है। यहाँ धार्मिक, सामाजिक, राजनीतिक और कला क्षेत्रों में उत्कृष्टता का गौरव छिपा है। भारतीय संस्कृति के रामायण, महाभारत, गीता, उपनिषद, और अन्य धार्मिक ग्रंथ विश्व की मानवता के लिए मार्गदर्शक हैं।

भारतीय संस्कृति में जीवन की अनेक महत्वपूर्ण सिद्धियाँ हैं, जैसे कि ध्यान, योग, आयुर्वेद, और प्राकृतिक उपाय। ये सभी हमें एक स्वस्थ और खुशहाल जीवन जीने के लिए आदर्श बनाते हैं।

भारतीय संस्कृति का अन्य एक महत्वपूर्ण पहलू है उसकी कला और साहित्य। भारतीय संस्कृति में कला का अत्यंत महत्व है, जो हमें सुन्दरता के साथ साथ एक अद्वितीय और गहरा संदेश भी देती है। भारतीय साहित्य की अमूल्य धारा हमें ज्ञान, विचार, और आदर्शों का सम्मान करने की शिक्षा देती है।

भारतीय संस्कृति का महत्व हमारे जीवन में उसकी गहरी प्रभाविता का परिचय कराता है। यह हमें समझने की शिक्षा देता है कि हम कैसे अपने जीवन को संतुलित और उत्तम बना सकते हैं। भारतीय संस्कृति हमें एक सामूहिक और एकीकृत समाज का मूल्य सिखाती है, जो विकास और समृद्धि के माध्यम से सभी का कल्याण करता है।

समाप्ति में, हम कह सकते हैं कि भारतीय संस्कृति हमारे लिए अद्वितीय और अमूल्य है। इसे समझना और महत्वाकांक्षा करना हमारी जिम्मेदारी है, ताकि हम इसे अधिक से अधिक समृद्ध और सुरक्षित बना सकें। इस प्रकार, हम अपनी संस्कृत के प्रति आभासी और संवेदनशील होते हैं, और इसे सुरक्षित रखने और आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध रहते हैं।

तीर्थ थेसिया
कक्षा -9



स्वच्छता का महत्व

स्वच्छता हमारे जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह हमें स्वस्थ और सुरक्षित रखने के साथ ही हमारे आस-पास की परिसर को भी स्वस्थ रखता है। स्वच्छता की सच्ची महत्ता को समझने के लिए हमें इसे गहराई से समझना चाहिए।

स्वच्छता का मतलब न केवल वातावरण की सफाई करना होता है, बल्कि यह भी हमें आत्मनिर्भर और जिम्मेदार बनाता है। स्वच्छता का पालन करने से हम बीमारियों को दूर रखते हैं, जो हमारे समाज के विकास में अवरुद्ध का कारण बनती हैं।

स्वच्छता का ध्यान रखने से हम न केवल खुद को स्वस्थ रख सकते हैं, बल्कि हमारे परिवार और समाज को भी स्वस्थ रखने में सहायक होते हैं। एक स्वच्छ समाज ही एक समृद्ध समाज हो सकता है।

स्वच्छता का महत्व ज्ञात होता हो, लेकिन इसे अमल में लाने के लिए जरूरी है। हमें अपने आस-पास के वातावरण की सफाई के लिए जिम्मेदारी लेनी चाहिए। गंदगी को सड़कों पर नहीं फेंकना चाहिए, और उसे साफ करने का जिम्मेदारी हम सभी को साझा करना चाहिए।

अतः, हमें स्वच्छता के महत्व को समझकर इसे अपने जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए। एक स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण के लिए हमें अपनी जिम्मेदारी

समझनी चाहिए और उसे अपनाने का प्रयास करना चाहिए। स्वच्छता के माध्यम से ही हम समृद्धि और समाज का विकास कर सकते हैं।

शिक्षा का महत्व

शिक्षा एक ऐसा अद्भुत साधन है जो हमें समझ, ज्ञान, और विश्वास के साथ सजीव बनाता है। यह हमें न केवल अपने जीवन के उद्दीपक बनाता है, बल्कि हमें समाज में अधिक समर्पित और उपयोगी नागरिक बनाता है।



शिक्षा का महत्व वास्तव में अपार है। यह हमें न सिर्फ अक्षरता देता है, बल्कि हमें अन्याय, असमानता, और जातिवाद के खिलाफ लड़ने की क्षमता प्रदान करता है।शिक्षा का महत्व इसलिए भी है क्योंकि यह हमें विश्व की विविधता को समझने और सम्मानित करने की क्षमता प्रदान करता है। यह हमें विचार करने और विचार करने की क्षमता प्रदान करता है, जो हमें एक उत्तम नागरिक बनाने में मदद करता है।

शिक्षा के बिना, समाज और राष्ट्र अधूरा हो जाता है। शिक्षा हमें सामाजिक समर्थन, आत्मविश्वास, और नए विचारों की प्रोत्साहना करती है।

इसलिए, हमें शिक्षा के महत्व को समझना और इसे प्राथमिकता देना चाहिए। यह हमारे समाज और राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और हमें एक उच्च सोच और सामाजिक उत्थान की दिशा में आगे बढ़ने में मदद करता है।

समर्थ नीलेश जाधव
कक्षा – 8



पर्यावरण संरक्षण में युवाओं की भूमिका

परिचय:
पर्यावरण संरक्षण आज की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। बढ़ता हुआ प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन, और प्राकृतिक संसाधनों का अति उपयोग हमारे पर्यावरण को गंभीर संकट में डाल रहे हैं। इन समस्याओं का सामना करने और पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए युवाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

शिक्षा और जागरूकता:
युवाओं में पर्यावरणीय समस्याओं के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए शिक्षा का बड़ा योगदान है। स्कूलों और कॉलेजों में पर्यावरण अध्ययन को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। विभिन्न कार्यशालाओं, सेमिनारों और प्रतियोगिताओं के माध्यम से युवाओं को पर्यावरण संरक्षण के महत्व के बारे में बताया जा सकता है।

स्थानीय पहल:
युवा स्थानीय स्तर पर अनेक गतिविधियों में भाग लेकर पर्यावरण संरक्षण में योगदान दे सकते हैं। जैसे, पेड़ लगाना, सफाई अभियान चलाना, और प्लास्टिक का कम से कम उपयोग करना। इस तरह के छोटे-छोटे प्रयासों से बड़े बदलाव आ सकते हैं।

सोशल मीडिया का उपयोग:
सोशल मीडिया आज के समय का सबसे प्रभावी माध्यम है। युवा सोशल मीडिया पर पर्यावरण संरक्षण से संबंधित जानकारी साझा कर सकते हैं, जागरूकता फैला सकते हैं और दूसरों को प्रेरित कर सकते हैं। हैशटैग अभियानों, व्लॉग्स और पोस्ट्स के माध्यम से बड़े पैमाने पर लोगों को जागरूक किया जा सकता है।

इशिता बैलवाल
कक्षा - 7



हमारी माता

धरती हमारी माता है,
माता को प्रणाम करें
बनी रहे इसकी सुन सुंदरता,
ऐसा भी कुछ काम करें
आओ हम सब मिलजुल कर,
इस धरतीको ही स्वर्ग बना दे
नैतिक जिम्मेदारी समझ कर,
नैतिकता से काम करें
गंदगी फैला भूमि पर,
मां कौना बदनाम करें
मां तो है हम सब की रक्षक,
हम इसके क्यों बन रहे हैं भक्षक
जन्म भूमि है पावन भूमि,
बन जाए इसके संरक्षक
कुदरत ने जो दिया धरा को,
उसका सब सम्मान करें
ना छोड़ो इस उपहार को,
ना कोई बुराई का काम करें
धरती हमारी माता है,
माता को प्रणाम करें
बनी रही इसकी सुंदरता
ऐसा कुछ काम करें।

दिशा पटेल
कक्षा -9



मोबाइल
फायदे और नुकसान

वर्तमान दुनिया में, सेल फोन ने औसत व्यक्ति के जीवन के तरीके को महत्वपूर्ण रूप से बदल दिया है। हालाँकि सेल फोन एक बहुत ही अद्भुत आविष्कार है जिसने आराम और सहजता को बहुत बढ़ा दिया है, लेकिन किसी भी अन्य चीज़ की तरह इसमें भी कमियाँ हैं।

इन दिनों, सेल फोन रखने का सबसे बड़ा लाभ उन लोगों के साथ आसानी से संवाद करने में सक्षम होना है जो हमसे और परिवार से बहुत दूर रहते हैं। मोबाइल फोन से संचार अधिक किफायती और सुविधाजनक है। अपने फ़ोन पर केवल कुछ बटन दबाने से, अब हम मित्रों, परिवार, सहकर्मियों और अन्य लोगों से तुरंत संपर्क कर सकते हैं, जिससे संचार सरल हो गया है। अतिरिक्त नवाचार जिन्होंने संचार को आसान बना दिया है उनमें टेक्स्ट मैसेजिंग, रिकॉर्डेड कॉल, वीडियो कॉल और बहुत कुछ शामिल हैं। यह कुछ वर्ष पहले की तुलना में कहीं अधिक सरल है।

शिक्षा की सहजता

कोविड-19 महामारी के दौरान और उसके बाद कई शैक्षणिक संस्थानों में ऑनलाइनशिक्षण लोकप्रिय हो गया। कई छात्र ऑनलाइन पढ़ाई करने के लिए अपने मोबाइल फोन का उपयोग करते हैं क्योंकि हर किसी के पास घर पर लैपटॉप या कंप्यूटर नहीं होता है। लैपटॉप या कंप्यूटर तक पहुंच के बिना छात्र मोबाइल उपकरणों के माध्यम से उपलब्ध कई ऑनलाइन पाठ्यक्रमों में से किसी एक को लेकर उन विषयों के बारे में अध्ययन कर सकते हैं जिनमें वे रुचि रखते हैं।



सेल फ़ोन से दृष्टि ख़राब हो सकती है

लंबे समय तक मोबाइल फोन का इस्तेमाल आंखों की रोशनी के लिए हानिकारक हो सकता है। जो लोग नियमित रूप से सेल फोन का उपयोग करते हैं उन्हें आंखों में लालिमा, खुजली, पानी आना और आंखों में सूखापन की शिकायत होती है। कुछ लोगों के लिए, मोबाइल फोन से निकलने वाला हानिकारक विकिरण भी दृष्टि हानि का कारण बन सकता है।

काम में व्याकुलता

माता-पिता अक्सर इस बात पर अफसोस करते हैं कि उनके बच्चे अपने फोन पर बहुत अधिक समय बिताते हैं और खेलने और पढ़ाई का समय बर्बाद कर देते हैं। यहां तक कि वयस्क भी अक्सर अपने फ़ोन के कारण काम या अन्य महत्वपूर्ण चीज़ों से विचलित हो जाते हैं, जिन पर वे काम कर रहे होते हैं। फ़ोन का उपयोग करने के लिए अपने लिए एक निश्चित समय निर्धारित करना एक स्मार्ट विचार है। उदाहरण के लिए, छात्र एक घंटे तक अध्ययन करना चुन सकते हैं, फोन पर बात करने के लिए दस मिनट का समय ले सकते हैं और फिर प्रक्रिया को दोहरा सकते हैं।

कृश राव
कक्षा- 9



विज्ञान में अद्भुत तथ्य: जो आपको हैरान कर देंगे!

विज्ञान विश्व का सबसे रहस्यमयी और आश्चर्यजनक क्षेत्र है, और इसके अद्भुत तथ्य हमें हमेशा हैरान कर देते हैं। यहाँ कुछ ऐसे मज़ेदार तथ्य हैं जो आपको वास्तव में हैरान कर देंगे:

1.धूप में चलते समय आपके तन पर लगे ताप यात्रा करता है: हाँ, यह सही है! जब आप धूप में निकलते हैं, तो आपके तन के ऊपर लगे ताप यात्रा करता है। इसका मतलब है कि धूप में चलने से आपके तन का प्रतिरोध बढ़ता है, जो आपको ठंडे मौसम में अधिक संवेदनशील बनाता है।

2.चमगादड़े कभी ट्रेनिंग नहीं लेते: चमगादड़े एक ऐसे जानवर हैं जो कभी भी ट्रेनिंग नहीं लेते हैं। वे स्वयं सीखते हैं कि कैसे उड़ना, शिकार करना, और अपने परिवार को पालना।

3.बच्चों की देनीदारी बॉनस मोड की तरह काम करती है: अब यह कुछ नया है! वैज्ञानिकों ने खोजा है कि जब बच्चे किसी काम को सीखते हैं, तो उनके दिमाग में एक बॉनस मोड होता है, जो उन्हें उत्साहित करता है और सीखने की इच्छा को बढ़ाता है।

4.चिम्पैंजीज़ शराब के शौकीन होते हैं: हाँ, यह बिल्कुल सही है! अफ्रीका के कुछ इलाकों में, चिम्पैंजीज़ फलों को जमाने के बाद उनमें नमकीन पानी में डालकर फेंकते हैं, ताकि उसमें फर्मेंटेशन हो और वे उसे "फ्रूट बीयर" के रूप में पी सकें।

5.मुर्गियों के द्वारा स्वस्थ सोया खोजा गया: एक शोध के अनुसार, चीनी वैज्ञानिकों ने पाया है कि मुर्गियां अपने प्रतिदिन के भोजन में सोया का सेवन करती हैं, जो उन्हें स्वस्थ और शारीरिक रूप से फिट रखता है।

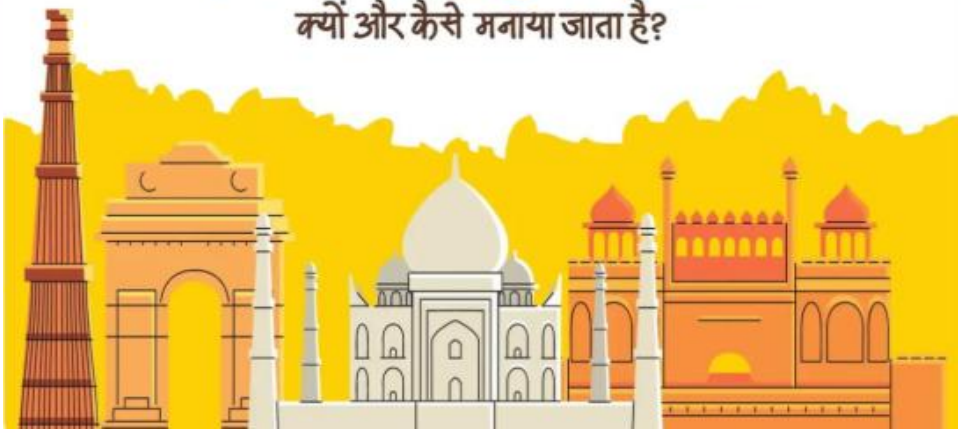
ये थे कुछ अद्भुत विज्ञानिक तथ्य जो हमें हैरान कर देते हैं! इन्हें जानकर विज्ञान के विस्तार में और अधिक रोमांचित होने का अवसर मिलता है।

श्रेयांश पाण्डेय
कक्षा - 9



विश्व धरोहर दिवस

क्यों और कैसे मनाया जाता है?



हर साल 18 अप्रैल के दिन विश्व धरोहर दिवस मनाया जाता है। इस खास दिन को मनाने का लक्ष्य सिर्फ ये है कि दुनियाभर में मानव सभ्यता से जुड़े ऐतिहासिक स्थलों के संरक्षण के लिए लोगों में जागरूकता फैलाई जाए। यही वजह है कि कई जगह इस दिन को 'स्मारकों और स्थलों के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस' के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन लोगों को ये एहसास कराने की कोशिश की जाती है, कि ऐतिहासिक स्थल हमारे लिए कितने अहम हैं। इस दिन दुनियाभर के लोग ऐतिहासिक इमारतों और स्मारकों की यात्रा करके, सम्मेलन आयोजित करके, राउंड टेबल और समाचार पत्रों में लेखों के जरिये लोगों तक अपना जागरूकता संदेश पहुंचाते हैं।

वर्तमान में विश्व भर में कुल 1154 ऐसे विरासत स्थल यूनेस्को द्वारा घोषित किये गये हैं | इनमें 897 स्थल सांस्कृतिक , 218 स्थल प्रकृतिक,जबकि 39 स्थल मिश्रित श्रेणी में रखे गये हैं | 43 स्थल ऐसे हैं जो 2 या 2 से अधिक देशों में विस्तृत हैं (सीमा पार) | 52 स्थलों को संस्था द्वारा संकटापन्न बताया गया है | भारत में ऐसे विरासत स्थलों की कुल संख्या 40 है जिनमें से 32 स्थल सांस्कृतिक ,7 स्थल प्राकृतिक व 1 स्थल मिश्रित श्रेणी से हैं | इस वर्ष के विश्व विरासत दिवस की थीम 'विरासत और जलवायु' है। इस लेख में भारत के सभी विरासत स्थलों की विस्तृत जानकारी दी गई है |



भारत के विश्व विरासत स्थल – सांस्कृतिक स्थल

1.आगरे का किला ,उत्तर प्रदेश (1983 में शामिल) :
2.अजन्ता की गुफाएँ ,महाराष्ट्र (1983 में शामिल) :
3.एलोरा की गुफाएँ,महाराष्ट्र (1983 में शामिल) :
4. ताज महल, आगरा,उत्तर प्रदेश (1983 में शामिल) :
5.महाबलीपुरम में स्मारक समूह,तमिलनाडु (1984 में शामिल) :
6. कोणार्क सूर्य मंदिर,उड़ीसा (1984 में शामिल) :
7.पुराने गोवा के चर्च और मठ (1986 में शामिल) :
8.फतेहपुर सीकरी ,उत्तर प्रदेश (1986 में शामिल) :
9.हम्पी में स्मारकों का समूह,कर्नाटक (1986 में शामिल) :
10. खजुराहो समूह के स्मारक (1986 में शामिल) :
11.एलीफेंटा की गुफाएँ,महाराष्ट्र (1987 में शामिल) :
12.महान जीवंत चोल मंदिर,दक्षिण भारत (1987 में शामिल) :
13.पट्टदकल समूह के स्मारक,कर्नाटक (1987 में शामिल) :
14.सांची का बौद्ध स्मारक,मध्य प्रदेश (1989 में शामिल) :
15. हुमायूँ का मकबरा, दिल्ली (1993 में शामिल) :
16. कुतुब मीनार , नई दिल्ली (1993 में शामिल) :
17. भारत के पर्वतीय रेलवे :
दार्जलिंग पर्वतीय रेलवे, प.बंगाल (1999 में शामिल):
नीलगिरि पर्वतीय रेलवे,तमिलनाडु (2005 में शामिल) :
कालका-शिमला रेलवे , (2008 में शामिल) :
18.महाबोधि मंदिर परिसर, बिहार (2002 में शामिल) :
19. भीमबेटका गुफा , मध्य प्रदेश (2003 में शामिल) :
20.चंपानेर-पावागढ़ पुरातत्त्व उद्यान,गुजरात (2004 में शामिल) :
21.छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस ,महाराष्ट्र (2004 में शामिल) :
22. लाल किला परिसर, दिल्ली (2007 में शामिल) :
23. जंतर-मंतर, जयपुर,राजस्थान (2010 में शामिल) :
24.राजस्थान के पर्वतीय किले (2013 में शामिल) :
25. रानी की वाव, गुजरात (2014 में शामिल) :
26. ली कार्बूजियर का वास्तुकला कार्य, चंडीगढ़ (2016 में शामिल) :
27.नालंदा भग्नावशेष ,बिहार (2016 में शामिल) :
28. ऐतिहासिक शहर अहमदाबाद,गुजरात (2017 में शामिल) :
29. विक्टोरियन गोथिक एवं आर्ट डेको इंसेबल्स, मुंबई (2018) :
30. जयपुर शहर, राजस्थान (2019 में शामिल) :
31. रामप्पा रुद्रेश्वर मंदिर, तेलन्गाना (2021 में शामिल) :
32.धोलावीरा,गुजरात (2021 में शामिल):



भारत के विश्व विरासत स्थल – प्राकृतिक स्थल

1.काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान,असम (1985 में शामिल)
2.केवलादेव-घाना राष्ट्रीय उद्यान,राजस्थान (1985 में शामिल)
3.मानस राष्ट्रीय उद्यान/वन्यजीव अभयारण्य,असम (1985 में शमिल)
4.सुंदरबन राष्ट्रीय उद्यान ,प.बंगाल (1987 में शामिल)
5.नंदा देवी और फूलों की घाटी राष्ट्रीय उद्यान (1988, 2005) :
6.पश्चिमी घाट,द.भारत (2012 में शामिल) :

नताशा –
कक्षा -9



आलेख

केंद्रीय विद्यालयों जैसे शैक्षणिक संस्थानों में सीखने की सहायता के रूप में भवन संरचनाओं का उपयोग करना छात्रों के लिए अत्यधिक लाभकारी हो सकता है।

इसी से संबंधित विद्यालय में विज्ञान, गणित , हिन्दी विषयों से संबंधित चित्रों को विद्यार्थियों द्वारा विद्यालय की दिवारों पर बनवाया गया ।

सत्र 2024-25 के लिए कुछ सुझाव दिए गए हैं जिनसे इमारतें प्रभावी शैक्षिक उपकरण के रूप में काम कर सकती हैं:

1. *वास्तुशिल्प डिजाइन*: स्कूल भवन के डिजाइन का उपयोग समरूपता, ज्यामिति और वास्तुकला के इतिहास जैसी विभिन्न अवधारणाओं को पढ़ाने के लिए किया जा सकता है। छात्रों को इमारतों के सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्व के बारे में जानने में मदद करने के लिए विभिन्न वास्तुकला शैलियों और तत्वों को पाठों में शामिल किया जा सकता है।

2. *पर्यावरण शिक्षा*: इमारतों का उपयोग छात्रों को स्थिरता, ऊर्जा दक्षता और पर्यावरण संरक्षण के बारे में सिखाने के लिए एक मॉडल के रूप में किया जा सकता है। सौर पैनल, वर्षा जल संचयन प्रणाली और ऊर्जा-कुशल प्रकाश व्यवस्था जैसी हरित भवन सुविधाओं को शामिल करने से छात्रों को पर्यावरण पर इमारतों के प्रभाव को समझने में मदद मिल सकती है।



3. *व्यावहारिक शिक्षा*: भवन संरचनाओं का उपयोग भौतिकी, इंजीनियरिंग और वास्तुकला जैसे विषयों के लिए व्यावहारिक शिक्षण सहायक के रूप में किया जा सकता है। छात्र मूलभूत अवधारणाओं को मूर्त रूप में समझने के लिए मापन, कोणों की गणना और मॉडल बनाने जैसी व्यावहारिक गतिविधियों में संलग्न हो सकते हैं।

4. *रचनात्मक अभिव्यक्ति*: भवन छात्रों में रचनात्मकता और कलात्मक अभिव्यक्ति को प्रेरित कर सकते हैं। छात्रों को स्कूल भवन की वास्तुकला से प्रेरित कलाकृति बनाने, कहानियाँ लिखने या संगीत रचना करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है। इससे छात्रों को अपनी रचनात्मकता और कल्पना को एक अनोखे और सार्थक तरीके से तलाशने का मौका मिलता है।

केंद्रीय विद्यालयों में भवन संरचनाओं को शिक्षण सहायक के रूप में शामिल करने से छात्रों के लिए शैक्षिक अनुभव में वृद्धि हो सकती है और सीखना अधिक आकर्षक और संवादात्मक हो सकता है। यह छात्रों को विभिन्न विषयों की गहरी समझ विकसित करने और निर्मित वातावरण के लिए प्रशंसा की भावना को बढ़ावा देने में मदद कर सकता है।

डॉ तरूणा माथुर
टी जी टी कला शिक्षा



**साइबर सुरक्षा **

ऑनलाइन जब भी तुम जाओ,
सुरक्षा की कुछ बातें अपनाओ
पासवर्ड अपना मजबूत बनाकर,
अनजान लिंक पर मत जाओ।

अनजान लोगों से दूरी बनाओ,
अपने दोस्तों को ही अपनाओ।
सोशल मीडिया पर अपने बारे में
सोच समझ कर ही बताओ।

सॉफ्टवेयर को रखो अपडेट
सतर्क रहो, खुद को बचाओ।
साइबर क्राइम होने पर तुरंत
1930 पर रिपोर्ट लिखाओ|

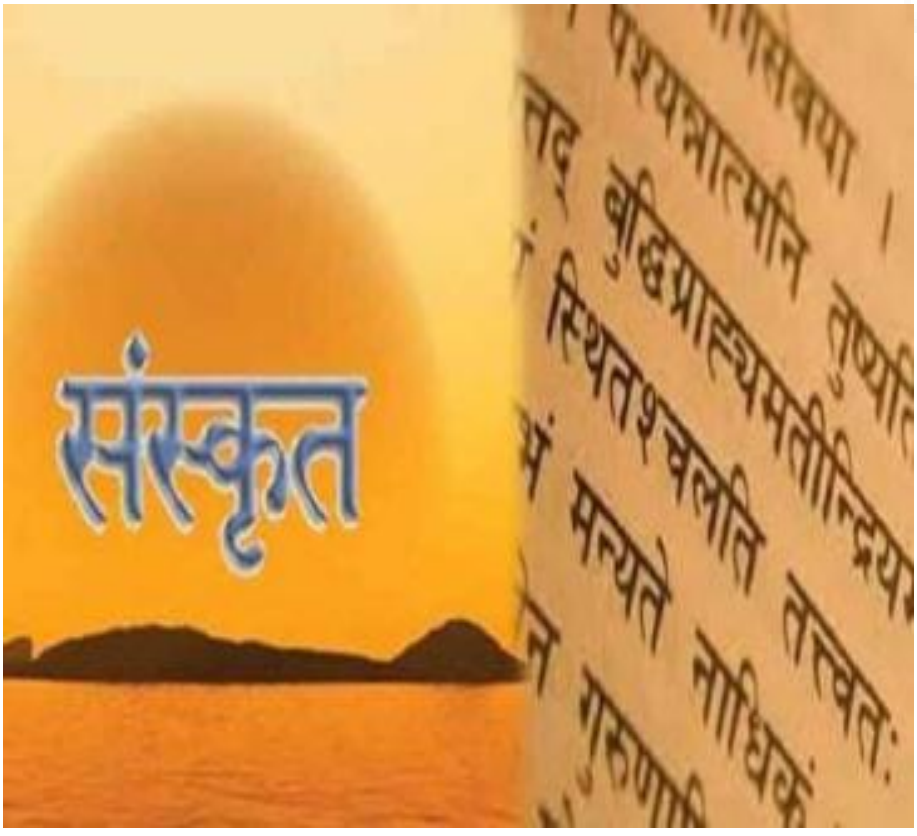
हुमा यासमीन
पी.जी.टी. कंप्यूटर साइंस





रचनात्मक अभिव्यक्ति

संस्कृत –विभाग





संस्कृतस्य इतिहास-

प्राचीनमूलात् आधुनिकप्रौद्योगिक्याः यावत्

प्राचीनभारतीयभाषा संस्कृता ३००० वर्षाणाम् अतीता अस्ति। इदम् पण्डितानां, पुरोहितानाम्, कविनां च भाषा अस्ति। संस्कृतं हिन्दी-बङ्गला-आदीनां बहूनां भारतीयभाषाणां जननी इति एवम् उच्यते। इयं वेदोपनिषदसहितानाम् अनेकानां प्राचीनग्रन्थानां भाषा अपि अस्ति।

संस्कृतं बहु पुरातनं चेदपि आधुनिकप्रौद्योगिक्या सह अस्य सम्बन्धः अस्ति । संस्कृतम् अत्यन्तं संरचितं सटीकं च अस्ति, अतः सङ्गणकप्रोग्रामिङ्गस्य कृते आदर्शः अस्ति। वैज्ञानिकाः ज्ञातवन्तः यत् अस्य व्याकरणनियमाः कृत्रिमबुद्धेः (AI) विकासाय, कोडिंग् भाषाणां च विकासाय उपयोगिनो भवितुम् अर्हन्ति। यथा, प्रसिद्धः विद्वान् पाणिनिः संस्कृतस्य कृते एकां व्याकरणव्यवस्थां निर्मितवान् यत् आधुनिककालस्य सङ्गणक-अल्गोरिदम्-सदृशं मन्यते।

अद्यतनजगति स्वरपरिचयप्रणालीनां, अन्वेषणयन्त्राणां च विकासे संस्कृतस्य उपयोगाय प्रयत्नाः सन्ति। केचन विशेषज्ञाः मन्यन्ते यत् संस्कृतं स्पष्टतया तार्किकतया च संरचनायाः कारणात् अधिककुशलं सॉफ्टवेयरं निर्मातुं साहाय्यं कर्तुं शक्नोति।

अतएव, यद्यपि संस्कृतभाषा प्राचीनभाषा अस्ति तथापि तस्याः संरचना व्याकरणं च आधुनिकप्रौद्योगिक्याः जगति प्रासंगिकतां जनयति, अतीतकालः अद्यापि भविष्यं कथं प्रभावितुं शक्नोति इति दर्शयति।

जागृति बलागा
कक्षा – दशमी



नीति श्लोक अर्थ सहित

श्लोक : दयाहीनं निष्फलं स्यान्नास्ति धर्मस्तु तत्र हि ।
एते वेदा अवेदाः स्यु र्दया यत्र न विद्यते ॥

अर्थ : बिना दया के किये गए काम का कोई फल नहीं मिलता, ऐसे काम में धर्म नहीं होता| जहाँ दया नही होती वहां वेद भी अवेद बन जाते हैं|

श्लोक : विद्यां ददाति विनयं विनयाद् याति पात्रताम् ।
पात्रत्वात् धनमाप्नोति धनात् धर्मं ततः सुखम् ॥

अर्थ : विद्या यानि ज्ञान हमें विनम्रता प्रादान करता है, विनम्रता से योग्यता आती है और योग्यता से हमें धन प्राप्त होता है जिससे हम धर्म के कार्य करते हैं और हमे सुख सुख मिलता है|

श्लोक : माता शत्रुः पिता वैरी येन बालो न पाठितः ।
न शोभते सभामध्ये हंसमध्ये बको यथा ॥

अर्थ : जो माता-पिता अपने बच्चों को नहीं पढ़ाते वे शत्रु के सामान हैं| बुद्धिमानों की सभा में अनपढ़ व्यक्ति कभी सम्मान नहीं पाता, वहां वह हंसों के बीच बगुले के समान होता है|

माहि मकवाना
कक्षा – 8



बहुमूल्यं वचनम्

सत्यं वद । - (सत्य बोलो।)

अहिंसा परमं धर्मः। - (अहिंसा सबसे बड़ा धर्म है।)

मातृदेवो भव। - (माँ को देवता के समान मानो।)

पितृदेवो भव। - (पिता को देवता के समान मानो।)

गुरुः श्रद्धेया। - (गुरु का सम्मान करो।)

धर्मं चर। - (धर्म का पालन करो।)

विनयः शोभते। - (विनय सुंदरता है।)

कर्तव्यं मा त्यज। - (कर्तव्य का त्याग मत करो।)

सर्वे भवन्तु सुखिनः। - (सब सुखी हों।)

परमात्मा सदा पश्यतु। - (परमात्मा को सदा देखो।)

हुमा यासमीन
पी.जी.टी. कंप्यूटर साइंस



Creative Expression

अंग्रेजी –विभाग

ENGLISH DEPARTMENT



MOTHER: A RESPONSIBLE ROLE

The role of a mother in a child's life is undeniably paramount. Mothers serve as the nurturing pillars of a child's early development, providing not only physical care but also emotional support and guidance. From the moment a child is born, a mother's presence and care offer a sense of security and warmth, fostering a deep emotional bond. This attachment forms the basis for a child's self- esteem and overall emotional well-being. Mothers are often the primary caregivers, feeding, clothing, and comforting their children, ensuring their physical needs are met. Beyond that, they play a vital role in instilling values, teaching essential life skills, and offering love and encouragement, which are crucial for a child's growth and development. Furthermore, a mother's influence extends beyond the home. She often acts as a child's first teacher, shaping their moral compass and values, and instilling a sense of empathy and compassion. The importance of a mother's love and guidance cannot be overstated, as it sets the foundation for a child's future relationships and interactions with the world. In sum, the presence of a loving and caring mother is a cornerstone of a child's life, impacting their emotional, social, and cognitive development, and ultimately shaping them into responsible and compassionate individuals who contribute positively to society.

By Srivani Mehta

Class XI



LIFE IS NOT EASY

Sometimes it is understandable and sometime it is fuzzy
The ride of life is sometime sane and sometime it goes crazy.
In this tough journey, enjoy with a smile and without going lazy
Everyone knows that the life is not easy!
There are many moments in which either we laugh or we cry
Even in the last moment of life, don’t give up, give it a try
In this back-breaking life, the friends may also have gone busy
Everyone knows that the life is not easy!
Life is a wheel, we have to carefully deal!
If careless we are, life will have a scar!
Be authentic and the life will essence like a daisy
Everyone knows that the life is not easy!

By-Simran Mahato Class XI



Echoes of Earth

A touch of cold in the autumn night
I walked abroad
listening to the sound of winds.
I did not stop to speak but nodded
they said to me how beautiful this world could be
only if we know true peace.
Oh dear! They said
those anguished thoughts have got you what
just destruction of nature and human kind.
The mother nature didn't look happy
by the progress her children make.
If this goes on then one day you will
know the true value of what your race has forgotten.
The transparent air which you could breath,
the monotonous rhyme of whistling trees,
the clapping of water on the land
and the beautiful smile on the face of a lad.
All those things would be hard to reclaim once lost.
So let me convey the message of mother nature
which she has sent for you all;
Stop the destruction and exploitation of nature and other kinds.
Once lost would never be returned
and become a myth for your posterity.

Name: Hritika Singh

Class : 11



My Visit to Sikkim - A Heaven on Earth

On the 10th of May, we boarded the Rajdhani Express from Vadodara, filled with excitement and anticipation. The train journey was comfortable, and as the hours rolled by, we shared stories, laughter, and the occasional gaze out of the window, watching the changing landscapes. We reached New Delhi the next day, and after a brief stopover, we continued our journey to New Jalpaiguri, the gateway to our Sikkim adventure by Rajdhani express.

On the 12th of May, we arrived at New Jalpaiguri, where a taxi awaited to take us to our first destination: Pelling. The drive itself was a beautiful prelude to what lay ahead, with lush greenery, winding roads, and the distant view of snow-capped mountains. The air was fresh, and the sight of prayer flags fluttering in the breeze added a spiritual touch to the journey.

Pelling welcomed us with its serene beauty and mesmerizing views of the Kanchenjunga peak. We spent two days exploring this quaint town, visiting the Pemayangtse Monastery, the Rabdentse Ruins, and the breathtaking Khecheopalri Lake. The pristine environment and the warm hospitality of the locals made our stay memorable. The highlight was the early morning view of the sun rising over the mountains, painting the sky in hues of orange and pink.

From Pelling, we travelled to Lachung, a small village nestled in the lap of the Himalayas. Lachung is truly a slice of heaven with its apple orchards, sparkling waterfalls, and towering mountains. Over the next two days, we visited the famous Yumthang Valley, also known as the Valley of Flowers, and Zero Point, where the road ends and the untouched snow begins. The cold, crisp air and the sight of snow all around were nothing short of magical.



Next, we headed to Gangtok, the vibrant capital of Sikkim. Gangtok is a perfect blend of tradition and modernity, and we spent two days immersing ourselves in its unique culture. We visited the Rumtek Monastery, MG Marg, and the Namgyal Institute of Tibetology. A trip to the Nathula Pass, located on the Indo-China border, was a thrilling experience, with its high-altitude roads and stunning views of the surrounding peaks.

Our penultimate destination was Zuluk, a lesser-known gem in East Sikkim. Zuluk is famous for its 32 hairpin bends, offering some of the most spectacular views of the Eastern Himalayas. The journey to Zuluk was an adventure in itself, with mist-covered roads and panoramic views at every turn. The sunrise at Thambi Viewpoint, with the Kanchenjunga bathed in golden light, was an unforgettable sight.

On the 20th of May, it was time to say goodbye to Sikkim. Our taxi dropped us at New Jalpaiguri, from where we took a flight from Bagdogra to Vadodara. As the plane took off, I couldn't help but reflect on the incredible journey we had just completed. Sikkim had not only left us in awe with its natural beauty but also with its commitment to eco-friendly tourism. The state's cleanliness, the warm-hearted people, and the rich culture made it a destination that will forever hold a special place in our hearts.

Sikkim is indeed a heaven on earth, and this trip was a reminder of the importance of preserving such pristine beauty for future generations.

By Mrs. Jatinder Kaur
PGT English



विद्यालय परिवार





NAMASTE